▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 313 ▸▸मुंबई, सोमवार, 19 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD

# दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

# बंगाल बदलाव को तैयार : नरेंद्र मोदी

एजेंसी । सिंगूर/कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है और बीते 24 घंटे में जितना विकास कार्य हुआ है, शायद पिछले 100 साल में भी नहीं हुआ होगा। असम दौरे के बाद बंगाल पहुंचे पीएम मोदी ने पूर्वी भारत को विकसित भारत की नींव बताते हुए केंद्र सरकार के फैसलों और परियोजनाओं को ऐतिहासिक करार दिया। वहीं, घुसपैठ और कानून-व्यवस्था को लेकर दिए गए उनके बयानों पर तृणमूल कांग्रेस

**पीएम के विकास दावे और घुसपैठ बयान पर सियासी संग्राम**

## विकास के एजेंडे पर पीएम का जोर

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए पूर्वी भारत का विकास सबसे जरूरी है। मालदा से लेकर हुगली तक केंद्र सरकार के हालिया फैसले इसी दिशा में मजबूत कदम हैं। उन्होंने दावा किया कि केंद्र बंगाल के विकास के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। पश्चिम बंगाल से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू हुई है। राज्य को करीब आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं, जिनमें दिल्ली, तमिलनाडु और काशी को जोड़ने वाली तीन नई ट्रेनें शामिल हैं। बालागढ़ में बनने वाला एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम हुगली क्षेत्र में कारोबार और रोजगार के नए अवसर खोलेगा।

## गंगा जलमार्ग से आर्थिक रफ्तार

पीएम ने कहा कि गंगा जलमार्ग के विस्तार से कार्गो मूवमेंट बढ़ेगा और उद्योगों को सस्ती व सुगम परिवहन सुविधा मिलेगी। इससे कोलकाता पर ट्रैफिक और लॉजिस्टिक दबाव कम होगा और बंगाल की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। रैली में पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासी गरीबों का हक छीन रहे हैं और फर्जी दस्तावेजों के सहारे रह रहे लोगों की पहचान कर कार्रवाई जरूरी है।

## टीएमसी का पलटवार

प्रधानमंत्री के बयान के बाद टीएमसी ने आरोपों को झूठा बताया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जॉय प्रकाश मजूमदार ने कहा कि घुसपैठ का मुद्दा सालों से उठाया जा रहा है, लेकिन ठोस सबूत सामने नहीं आए। उन्होंने सवाल किया कि सीमा सुरक्षा केंद्र के अधीन है, तो राज्य को ही क्यों कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। टीएमसी ने चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि करीब 58 लाख नाम मतदाता सूची से हटे, लेकिन एक भी मामला घुसपैठ से जुड़ा नहीं पाया गया। पार्टी का दावा है कि न तो बांग्लादेशी नागरिक और न ही रोहिंग्या मतदाता सूची में मिले।

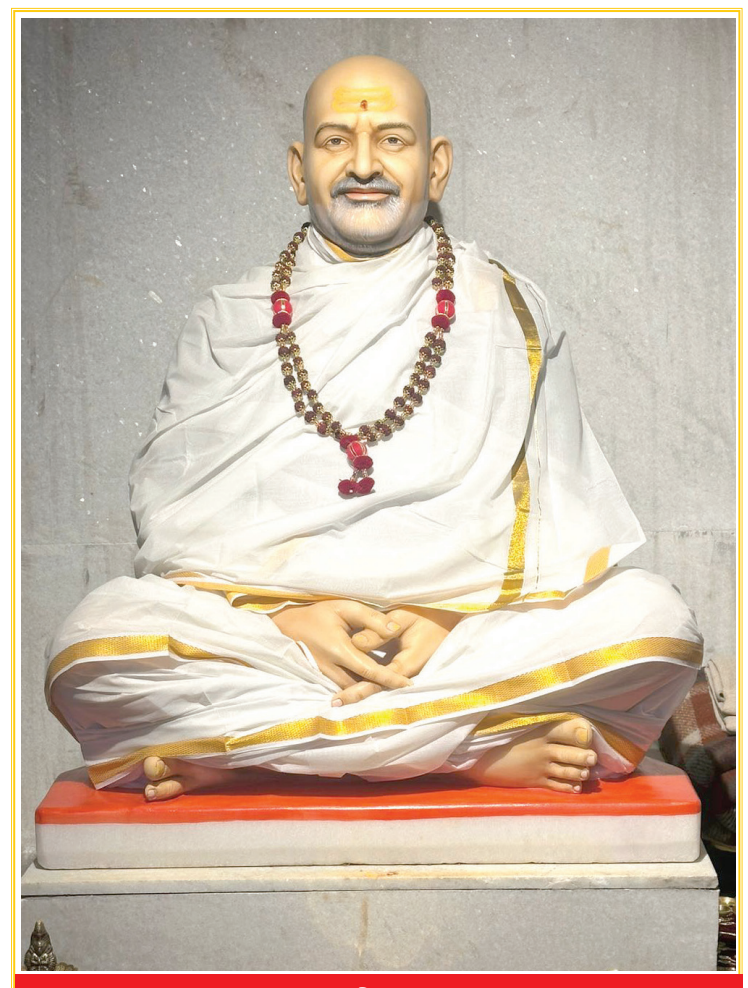

**नीब करौली बाबा**
बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना मध्यप्रदेश

# इंदौर वनडे में भारत की हार

एजेंसी । इंदौर

- कोहली का शतक भी नहीं बचा सका
- न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज जीतकर रचा इतिहास

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का निर्णायक मुकाबला रविवार (18 जनवरी) को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में भारतीय टीम को 41 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज 2-1 से जीतकर इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब कीवी टीम ने भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की है।

## शतक के बाद भी हार नहीं टली

विराट कोहली 108 गेंदों पर 124 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इसके बाद भारत की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गईं और टीम जल्द ही ऑलआउट हो गई।

**338 रनों का लक्ष्य, 296 पर सिमटी टीम इंडिया**

न्यूजीलैंड द्वारा दिए गए 338 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 46 ओवरों में 296 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली की शतकीय पारी के बावजूद भारत जीत हासिल नहीं कर सका। भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा 11 रन बनाकर जकारी फाउलकेस का शिकार बने। कप्तान शुभमन गिल (23) को काइल जेमिसन ने बोल्ड किया। श्रेयस अय्यर सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए, जबकि केएल राहुल महज 1 रन बनाकर चलते बने। 71 रन पर चार विकेट गिरने से भारत दबाव में आ गया।

## कोहली-नीतीश ने संभाली पारी

इसके बाद विराट कोहली और नीतीश कुमार रेड्डी ने पांचवें विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी कर भारत को संभालने की कोशिश की। कोहली ने 51 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, वहीं नीतीश ने 52 गेंदों में फिफ्टी जड़ी। नीतीश 53 रन बनाकर आउट हो गए। कोहली ने हर्षित राणा के साथ सातवें विकेट के लिए 99 रनों की साझेदारी की और 91 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का 54वां और कुल 85वां अंतरराष्ट्रीय शतक रहा।

# जुर्म साबित नहीं तो जमानत हर आरोपी का हक : चंद्रचूड़

एजेंसी । जयपुर

**देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (CJI) डी. वाय. चंद्रचूड़ ने जयपुर साहित्य उत्सव में कहा कि दोष सिद्ध होने से पहले जमानत हर आरोपी का अधिकार है। वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी के सवाल के जवाब में उन्होंने यह टिप्पणी की, जिसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद की दिल्ली दंगों की साजिश मामले में जमानत अस्वीकृत किए जाने पर चर्चा हुई। पूर्व CJI ने कहा कि भारतीय कानून का आधार निर्दोष होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति कई साल जेल में रहे और बाद में बरी हो जाए, तो खोए हुए सालों की भरपाई नहीं हो सकती। जमानत केवल तब रोकी जा सकती है जब आरोपी अपराध दोबारा कर सकता हो, सबूतों में छेड़छाड़ कर सकता हो या कानून से बचने के लिए जमानत का फायदा उठा सकता हो।**

## राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में विशेष सावधानी

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में अदालत को गहन जांच करनी चाहिए। अन्यथा लोग कई साल जेल में रह जाते हैं। जमानत के अस्वीकार किए जाने को जिला और सत्र न्यायालयों में चिंता का विषय बताया गया। यही कारण है कि ऐसे मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं।

## न्यायिक प्रक्रिया और सुधार की बातें

पूर्व CJI ने कहा कि भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली में देरी बड़ी समस्या है। न्यायिक प्रक्रिया में देरी होने पर आरोपी को जमानत मिलना चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई अहम फैसलों का उल्लेख किया, जैसे महिलाओं को सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशन, समलैंगिकता को अपराध न मानना और चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करना। चंद्रचूड़ ने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति में सिविल सोसाइटी के प्रतिष्ठित लोग भी शामिल हों, ताकि न्यायपालिका में पारदर्शिता और जनता का विश्वास बढ़े।

## निजी जीवन और कानून सुधार

पूर्व CJI ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद वे निजी जीवन का आनंद ले रहे हैं और किसी पद को स्वीकार नहीं करते। उन्होंने वैवाहिक बलात्कार को अपराध के रूप में शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने अपने कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही का लाइव प्रसारण शुरू किया, जो केवल हिंदी नहीं बल्कि संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध सभी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध है।

## ब्रीफ न्यूज़

### 'शंकराचार्य जीवित आध्यात्मिक गुरु अपमान हिंदुओं के लिए शर्मिंदगी'

**प्रयागराज।** माघ मेला में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान को लेकर आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता सौरभ भारद्वाज ने उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे हिंदुओं के लिए शर्मिंदगी बताते हुए कहा कि पहले शंकराचार्य हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करते थे, अब लोगों को पीटने वाले कांवड़िये सनातन धर्म का चेहरा बन गए हैं। सौरभ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माघ मेले के दौरान शंकराचार्य के साथ हुई घटना का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि शंकराचार्य जीवित आध्यात्मिक गुरु हैं, जो सनातन धर्म का मार्गदर्शन करते हैं, वैदिक परंपराओं को संरक्षित करते हैं और धर्मग्रंथों की व्याख्या करते हैं। वे आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार प्रमुख मठों की विरासत को आगे बढ़ाते हैं। सौरभ ने आरोप लगाया कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हिंदू धर्म की छवि बदल दी है। पहले धर्म का प्रतिनिधित्व शंकराचार्य करते थे, अब कांवड़ियों की हिंसा को सामने रखा जा रहा है।

### मुख्यमंत्री फडणवीस का मराठी अंदाज में हुआ भव्य स्वागत

**दावोस/ज्यूरिख।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने के लिए रविवार (18 जनवरी) को स्विट्जरलैंड पहुंचे। अपने पांच दिवसीय विदेश दौरे की शुरुआत में ही उन्हें मराठी संस्कृति और परंपरा के अनुसार भव्य स्वागत मिला। पारंपरिक वेशभूषा और मराठी संगीत के बीच मुख्यमंत्री ने मराठी समुदाय का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्यगीत भी प्रस्तुत किया गया, जिससे स्वागत समारोह भावपूर्ण बन गया। ज्यूरिख के बाद दावोस पहुंचने पर भी मराठी समुदाय के नागरिकों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक ओवाळणी कर स्वागत किया। भारत के राजदूत मृदुल कुमार ने औपचारिक रूप से सीएम का स्वागत किया, जबकि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और किंजरापु राममोहन नायडू ने भी उनसे मुलाकात कर महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न महानगरपालिका चुनावों में मिली प्रचंड जीत पर बधाई दी।

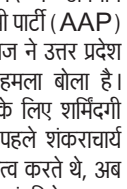

# गाजा बोर्ड ऑफ पीस में भारत को न्योता

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाजा के लिए गठित अंतरराष्ट्रीय संगठन 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इस बोर्ड का मकसद गाजा में शांति बहाल करना, पुनर्निर्माण को गति देना और नई शासन व्यवस्था को आगे बढ़ाना है। यह बोर्ड 15 जनवरी को ट्रंप की 20 बिंदुओं वाली शांति योजना के दूसरे चरण के तहत घोषित किया गया। इसका उद्देश्य गाजा को हथियारों से मुक्त करना, मानवीय सहायता सुनिश्चित करना और युद्ध से तबाह बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण करना है। बोर्ड के तहत गाजा में एक तकनीकी फिलिस्तीनी प्रशासन स्थापित किया जाएगा, जिसकी निगरानी नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा (NCAG) करेगी।

## 'अब तक का सबसे महान बोर्ड' : ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अब तक का सबसे महान और प्रतिष्ठित बोर्ड बताया है। बोर्ड की फाउंडर एग्जीक्यूटिव कमेटी में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, वर्ल्ड बैंक अध्यक्ष अजय बंगा, कारोबारी मार्क रोवन और सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल शामिल हैं।

# किश्तवाड़ में मुठभेड़, सेना के 3 जवान घायल

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सुदूर जंगली इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी में भारतीय सेना के तीन जवान घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकियों को घेर लिया है और ऑपरेशन जारी है।

## 'ऑपरेशन त्राशी-1' के तहत संयुक्त अभियान

अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन त्राशी-1' नाम दिया है। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने चतरू के पास सोननार क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

# ईरान में विरोध प्रदर्शनों में 5,000 से ज्यादा लोगों की मौत

एजेंसी । तेहरान

ईरान में हाल के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान अब तक कम से कम 5,000 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें लगभग 500 सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। यह जानकारी एक ईरानी अधिकारी ने रविवार को दी। अधिकारी ने कहा कि इन मौतों के लिए आतंकवादी और हथियारबंद उपद्रवी जिम्मेदार हैं, जिन्होंने कई निर्दोष नागरिकों की हत्या की।

**खामेनेई सरकार ने खुद माना**

## हिंसा के केंद्र और मौतों का आंकड़ा

सबसे ज्यादा हिंसा और मौतें उत्तर-पश्चिमी ईरान के कुर्द इलाकों में हुईं, जहां अलगाववादी समूह सक्रिय हैं। अधिकारी ने दावा किया कि मृतकों की संख्या में आगे बहुत ज्यादा बढ़ोतरी की संभावना नहीं है और प्रदर्शनकारियों को इजराइल और विदेशों में मौजूद हथियारबंद समूहों का समर्थन मिला।

## अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्ट

अमेरिकी मानवाधिकार संगठन HRANA के अनुसार अब तक 3,308 लोगों की मौत हुई है और 4,382 मामलों की जांच चल रही है। वहीं, नॉर्वे स्थित हेंगाव संगठन ने बताया कि सबसे हिंसक झड़पें उत्तर-पश्चिमी कुर्द इलाकों में हुई थीं। इन प्रदर्शनों के दौरान 24,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया।

## आर्थिक और सांस्कृतिक नुकसान

19 दिन तक चले हिंसक प्रदर्शनों में 30 प्रांतों की लगभग 250 मस्जिदें और 20 धार्मिक केंद्र क्षतिग्रस्त हुए। 182 एम्बुलेंस और फायर डिपार्टमेंट के सामान का नुकसान 5.3 मिलियन डॉलर हुआ। बैंकों की 317 ब्रांच पूरी तरह तबाह हो गईं और 4,700 बैंकों को 10% से 90% नुकसान हुआ।

## आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम : राजनाथ सिंह

# नागपुर में हाईटेक गोला-बारूद फैक्ट्री का उद्घाटन

एजेंसी । नागपुर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा स्थापित मीडियम कैलिबर एम्युनिशन फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ऐसे निजी क्षेत्र के रक्षा संयंत्र केवल फैक्ट्रियां नहीं, बल्कि नया संकल्प, नई ऊर्जा और नवाचार का प्रतीक हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि एक समय रक्षा उत्पादन लगभग पूरी तरह सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित था और निजी कंपनियों की भागीदारी बेहद कम थी। बीते कुछ वर्षों में इस सोच को बदला गया है। आज निजी क्षेत्र रक्षा उत्पादन में अहम भूमिका निभा रहा है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूती दे रहा है।

## रोजगार और वैश्विक पहचान

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी से न सिर्फ उत्पादन क्षमता बढ़ रही है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। इससे भारत वैश्विक रक्षा बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। नागपुर में स्थापित यह मीडियम कैलिबर एम्युनिशन फैसिलिटी अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। यहां आधुनिक तरीकों से गोला-बारूद का निर्माण किया जाएगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों को समय पर और उच्च गुणवत्ता का एम्युनिशन उपलब्ध हो सकेगा।

## अब युद्ध का स्वरूप बदल चुका

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज युद्ध सिर्फ बंदूक और गोलियों तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर स्पेस, ड्रोन, मोबाइल फोन, अंतरिक्ष और मीडिया भी युद्ध का हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने बदलते हालात के अनुसार खुद को तेजी से अपग्रेड किया है, जो देश के लिए गर्व की बात है।

## सशस्त्र बलों पर जनता का भरोसा

इस दौरान रक्षा मंत्री ने पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई भारतीय सशस्त्र बलों पर जनता के अटूट भरोसे का प्रमाण है।

# ट्रंप को नोबेल 'गिफ्ट' करने पर फाउंडेशन सख्त

- कहा- पुरस्कार ट्रांसफर नहीं हो सकता

एजेंसी । नई दिल्ली

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार 'गिफ्ट' किए जाने के दावे पर अब नोबेल फाउंडेशन भड़क गया है। फाउंडेशन ने साफ शब्दों में कहा है कि नोबेल पुरस्कार न तो किसी और के नाम ट्रांसफर किया जा सकता है और न ही प्रतीकात्मक रूप से सौंपा जा सकता है। दरअसल, 15 जनवरी को मचाडो ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात के दौरान अपना नोबेल शांति पुरस्कार उन्हें समर्पित करने की बात कही थी।

## नोबेल फाउंडेशन की दो टूक

नोबेल फाउंडेशन ने कहा कि उसका प्रमुख दायित्व अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत और पुरस्कार की गरिमा की रक्षा करना है। वसीयत में स्पष्ट रूप से लिखा है कि नोबेल पुरस्कार उसी व्यक्ति को दिया जाएगा, जिसने मानवता के लिए असाधारण योगदान दिया हो। एक बार दिया गया पुरस्कार किसी अन्य व्यक्ति को सौंपा नहीं जा सकता। फाउंडेशन ने यह भी स्पष्ट किया कि पुरस्कार देने का अधिकार अलग-अलग नोबेल समितियों के पास होता है और इस प्रक्रिया में किसी तरह का निजी निर्णय या हस्तांतरण मान्य नहीं है। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता को सोने का मेडल,आधिकारिक डिप्लोमा पुरस्कार राशि दी जाती है।

## उल्हासनगर मनपा चुनाव 2026

# नोटा ने जताया मतदाताओं का असंतोष

**39 हजार से अधिक मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया**

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव 2026 में मतदाताओं ने अपने असंतोष को बड़ी संख्या में 'नोटा' (None of the Above) के माध्यम से व्यक्त किया। कुल 4,39,912 मतदाताओं में से 2,29,179 मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया, जिसमें पुरुष मतदाता 1,23,493 और महिला मतदाता 1,05,533 शामिल थे।

### नोटा ने बनाए रिकॉर्ड

इस चुनाव की खास विशेषता रही कि प्रभागों में कुल 39,222 नोटा मत पड़े। प्रभाग क्रमांक 13 में सबसे अधिक 3,921 नोटा वोट दर्ज हुए, जबकि सबसे कम प्रभाग 20 में 857 नोटा मत मिले। अन्य प्रभागों में प्रभाग-11 में 2,759, प्रभाग-6 में 2,553, प्रभाग-12 में 2,215 और प्रभाग-8 में 2,022 नोटा वोट सामने आए। विशेषज्ञों के अनुसार यह आंकड़ा दर्शाता है कि बड़ी संख्या में मतदाता स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों की छवि और राजनीतिक दलों की कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं थे।

### जीत-हार के अंतर और नोटा का महत्व

चुनाव परिणामों में कई प्रभागों में जीत-हार का अंतर नोटा मतों से भी कम रहा।प्रभाग 4 (क) में जीत का अंतर केवल 16 मतों का रहा, जबकि 251 नोटा मत दर्ज हुए। प्रभाग 7 (अ) में 38 मतों से जीत हुई, लेकिन 315 मतदाताओं ने नोटा चुना। प्रभाग 9 (अ) में 209 मतों के अंतर के मुकाबले 497 नोटा पड़े। प्रभाग 15 (ड) में अरुण आशान ने भाजपा के धनंजय बोडारे को 164 मतों से हराया, जबकि 579 नोटा मत दर्ज हुए। विश्लेषकों का कहना है कि नोटा मतों की संख्या स्पष्ट रूप से शहर के विकास और जनसेवकों के प्रति मतदाताओं की नाराजगी को दर्शाती है।

# भाजपा और शिवसेना गठबंधन बराबरी पर

***78 सीटों में भाजपा 36, शिवसेना गठबंधन 37, बहुजन वंचित आघाड़ी 2, कांग्रेस और निर्दलीय 1-1***

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उद्योगनगरी के नाम से मशहूर उल्हासनगर में 2026 का मनपा चुनाव संपन्न हो गया। कुल 78 सीटों वाली मनपा में भाजपा ने 36 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई, जबकि शिवसेना गठबंधन ने भी 37 सीटों पर जीत हासिल की। बहुजन वंचित आघाड़ी को 2, कांग्रेस और एक निर्दलीय को 1-1 सीट मिली। बहुमत के लिए 40 सीटें आवश्यक थीं।

### नई पीढ़ी और फैमिली रिप्रेजेंटेशन

पूर्व विधायक पप्पू कालानी की बेटी सीमा कालानी ने पैनल 5 से शिवसेना की निशानी पर जीत हासिल की। उद्योगपति सुमीत चक्रवर्ती के पुत्र आकाश चक्रवर्ती पहली बार नगरसेवक बने। प्रवीण किशनानी, गोधू किशनानी के सुपुत्र, भाजपा टिकट पर पैनल 11 से विजयी हुए। पूर्व महापौर और भाजपा विधायक कुमार आयलानी की पत्नी मीना आयलानी भी जीतकर परिवार की राजनीतिक विरासत को जारी रखीं।

### सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व : सिंधी, पंजाबी और उत्तर भारतीयों की जीत

चुनाव में 26 सिंधी, 5 पंजाबी और 3 हिंदी भाषी उम्मीदवार मनपा सदन पहुंचे। इसमें उत्तर प्रदेश के तीन नगरसेवक संजय सिंह उर्फ़ चाचा, सुचित्रा सुधीर सिंह और दुर्गा दिनेश राय ने अपनी जीत दर्ज की। सिंधी समाज से राजेंद्र सिंह भुल्लर, उनकी धर्मपत्नी चरणजीत कौर भुल्लर, मीना कौर अजित लबाना और विक्की लबाना सहित कई प्रमुख व्यवसायी और पारिवारिक नाम भी सफल रहे।

### हार का सामना करने वाले प्रमुख नेता

इस चुनाव में कई पुराने नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। इनमें साईं पार्टी की अध्यक्ष पूर्व महापौर आशा इदनानी, पूर्व उपमहापौर जीवन इदनानी, आरपीआई नेता पूर्व उपमहापौर भगवान भालेराव, पूर्व महापौर अपेक्षा पाटिल शामिल हैं। उद्धव शिवसेना छोड़ भाजपा में शामिल हुए धनंजय बोडारे को अपने पूरे प्रभाग में हार का सामना करना पड़ा। अंबरनाथ स्थित प्राचीन शिवमंदिर के वंश परंपरागत पुजारी विजय पाटिल भी चुनाव हार गए।

# कल्याण में 22 जनवरी से ट्रैफिक रूट बदलेगा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कल्याण ईस्ट में पुराने पुल को तोड़कर नए ब्रिज के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है, जिसके चलते 22 जनवरी से ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। ठाणे सिटी ट्रैफिक ब्रांच ने ट्रैफिक जाम से बचने और निर्माण कार्य को सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों को लेकर अधिसूचना जारी की है। यह बदलाव ब्रिज का काम पूरा होने तक लागू रहेंगे।

### पुराने ब्रिज को तोड़कर बनेगा नया

**खडवली नाका ब्रिज 22 जनवरी से होगा बंद**

खडवली नाका स्थित पुराने ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाने का कार्य 22 जनवरी से शुरू किया जाएगा। इसी कारण कल्याण ईस्ट इलाके में वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है।

### ट्रैफिक पुलिस की अपील

ट्रैफिक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे तय किए गए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और अनावश्यक परेशानी से बचने के लिए यात्रा से पहले ट्रैफिक अपडेट जरूर देखें। निर्माण कार्य के दौरान नियमों का पालन करने से जाम की स्थिति से बचा जा सकेगा।

### कौन-से रास्ते रहेंगे बंद?

ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट के अनुसार-पुणे लिंक रोड से खडवली नाका होते हुए विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन और श्रीराम चौक की ओर जाने वाले सभी वाहनों की एंट्री आनंद दिघे चौक और स्मारक भूमि चौक से प्रतिबंधित रहेगी।

### वैकल्पिक मार्ग कौन-से होंगे?

इन वाहनों को आनंद दिघे फ्लाईओवर और सम्राट चौक के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।श्रीराम चौक और विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के पूर्वी हिस्से से खडवली नाका व चाकन नाका की ओर आने वाले वाहनों को श्रीराम चौक में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। ऐसे वाहन छत्रपति शिवाजी महाराज एंट्रेंस, शांतिनगर (उल्हासनगर) और सम्राट चौक से होकर जाएंगे।

# नगर निगम चुनाव में असफलता के बाद ठाणे जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र में हुए नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की असफलता की जिम्मेदारी लेते हुए ठाणे जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत पाटिल ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों का इस्तीफा दे दिया है। विधान परिषद सदस्य भाई जगताप ने मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ के इस्तीफे की मांग की है। इसी तरह के विरोधी सुर महाराष्ट्र के कई जिलों में उभरने लगे हैं।

ठाणे जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत ने रविवार को अपना इस्तीफा देने से पहले पत्रकारों को बताया कि उन्होंने ठाणे नगर निगम का चुनाव महाविकास आघाड़ी के बैनर तले लड़े जाने की मांग की थी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने अपने बल पर चुनाव लडने के लिए निर्णय लिया। इससे ठाणे में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा है। वे इसी कारण

### मुंबई में कांग्रेस अध्यक्ष के इस्तीफे मांग हुई तेज

अपने सभी पदों से इस्तीफा पार्टी नेतृत्व को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति से सन्यास ले लेंगे। इसी तरह मुंबई में काग्रेस पार्टी को नगर निगम चुनाव में सिर्फ 24 सीटें मिलीं।

इस पर नाराजगी जताते हुए विधान परिषद सदस्य भाई जगताप ने मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ का इस्तीफा मांगा है। भाई जगताप ने कहा कि मुंबई में कांग्रेस पार्टी को महाविकास आघाड़ी के सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लडना चाहिए था। लेकिन वर्षा गायकवाड़ ने मनमानी फैसला लेते हुए अकेले चुनाव लड़ा था और पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा। इसलिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए वर्षा गायकवाड़ को मुंबई अध्यक्ष पद का इस्तीफा दे देना चाहिए। हालांकि मुबई काग्रेस ने भाई जगताप को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

इसी तरह की स्थिति पुणे, पनवेल, नवी मुंबई, वसई विरार, मीरा भाईंदर , नासिक आदि जगह भी देखने को मिल रही है। इन जगहों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाराजगी मिटाने का प्रयास कर रहे हैं।

# सीएम पंचायत राज अभियान के तहत ठाणे की तहसीलों में मशहूर हस्तियों का दौरा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/ठाणे

राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान' को प्रभावी ढंग से लागू करने और गांव स्तर पर व्यापक जनजागृति फैलाने के उद्देश्य से जिला परिषद ठाणे के तत्वावधान में प्रसिद्ध हस्तियों के विशेष दौरे आयोजित किए गए। इस अभियान के तहत अभिनेत्री शिवाली परब और सिने कलाकार पृथ्वी प्रताप ने ठाणे जिले की विभिन्न तहसीलों के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। अभियान के अंतर्गत 18 जनवरी 2026 को भिवंडी तहसील के डोहले, शाहपुर तहसील के भावसे-खोस्ते और मुरबाद तहसील के खेवारे गांवों में सेलिब्रिटी विज़िट कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को अभियान के उद्देश्यों और लाभों

की जानकारी दी गई।

इस मौके पर अभिनेत्री शिवाली परब ने कहा कि मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान का मकसद गांवों का समग्र विकास करना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे प्रतियोगात्मक स्वरूप में चलाए जा रहे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने गांव को आगे बढ़ाने में योगदान दें। सिने अभिनेता पृथ्वी प्रताप ने कहा कि इस अभियान के जरिए गांव के हर वर्ग तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे बड़ी संख्या में भागीदारी कर अपने गांवों को खुशहाल और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें।

### प्रशासन पूरी तरह तैयार: सीईओ

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने कहा कि प्रशासन गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने ग्रामीणों से मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत चल रही विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

### स्कूल, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद स्कूल, डोहले का दौरा कर स्कूल परिसर और बैकयार्ड में विकसित गार्डन का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों के घर जाकर उन्हें सम्मानित किया गया। गांव की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए उपलब्ध कराई गई एक एम्बुलेंस का भी उद्घाटन किया गया। इस अभियान के माध्यम से प्रशासन और समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता से ठाणे जिले के गांवों को समृद्ध और विकसित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

# धर्म भारत का मार्गदर्शन करे, तब तक देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा : भागवत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश हमेशा 'विश्वगुरु' बना रहेगा। उन्होंने रविवार को एक कार्यक्रम में यह बात कही और जोर दिया कि आध्यात्मिक ज्ञान और धर्म की विरासत दुनिया के अन्य हिस्सों में नहीं पाई जाती।

भागवत ने कहा कि धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, नैतिक कर्तव्य और अनुशासन का मार्गदर्शन भी करता है। उन्होंने बताया कि पानी का धर्म बहना है, आग का जलाना है, पुत्र का कर्तव्य है और शासक का अपना कर्तव्य। इस तरह के नियम हमारे पूर्वजों ने आध्यात्मिक शोध और अनुभव के माध्यम से समझे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत को पूर्वजों से मिली समृद्ध आध्यात्मिक धरोहर ने हमेशा मार्गदर्शन दिया है और साधु-संत इसका प्रमाण हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अहंकार कार्य को बिगाड़ सकता है, इसलिए लोगों को अहंकार से मुक्त होकर सामूहिक भावना अपनानी चाहिए।

भागवत ने एक कहानी साझा करते हुए कहा कि कुम्हार का गधा, जिसने मूर्ति ढोते समय सम्मान की उम्मीद कर ली, उसे पीटा गया। उन्होंने इसे अहंकार और अपेक्षा पर आधारित चेतावनी बताया। उन्होंने कहा कि धर्म सत्य पर आधारित है, और जो लोग सत्य के साथ जीवन जीते हैं, वे ऋषि कहलाते हैं। सच्चे नेतृत्व की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है, और केवल आध्यात्मिक लोग ही सच्चे नेता होते हैं। भागवत ने अंत में सेवा में लगे लोगों से अपील की कि परिणाम की अपेक्षा न करें, बल्कि नीयत से अच्छे कार्य करते रहें, और 'मैं' की मानसिकता छोड़कर 'हम' की भावना अपनाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई भी व्यक्ति या सृष्टि धर्म रहित नहीं हो सकती।

# 'भावनात्मक राजनीति नहीं, विकास ही प्राथमिकता': एकनाथ शिंदे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नवनिर्वाचित नगरसेवकों को साफ संदेश दिया है कि अब भावनात्मक राजनीति का समय समाप्त हो गया है और विकास ही जनता की प्राथमिकता है। शिंदे ने कहा कि लोगों ने विकास को वोट दिया है और अब हर वार्ड में इसका असर नजर आना चाहिए।

हालिया नगर निकाय चुनावों में महायुति (बीजेपी-शिंदे गुट गठबंधन) ने शानदार प्रदर्शन किया।

शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में बीजेपी नंबर-1 पार्टी बनी है और उनका गुट दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरा है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता ने उद्धव ठाकरे गुट (UBT) को नकार दिया है।

शिंदे ने दो टूक कहा कि मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में मेयर महायुति का ही होगा। उन्होंने नगरसेवकों को निर्देश दिए कि पानी, सड़क, सफाई, पुनर्विकास और स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उनका कहना था कि नगरसेवक सिर्फ पद नहीं, बल्कि सच्चा नगर सेवक बनें और हर वार्ड में तेजी से विकास कार्य शुरू करें। डिप्टी सीएम ने नगरसेवकों से कहा कि उन्हें अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करनी होगी। उन्होंने जोर दिया कि लोगों की आवाज़ सुनी जाए, समस्याओं का समाधान हो और विकास कार्य जमीन पर दिखे। शिंदे ने वार्ड स्तर पर सुबह जल्दी दौरा करने, सफाई पर ध्यान देने और डीप-क्लीन ड्राइव शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पानी की आपूर्ति, कचरा प्रबंधन, सड़कें, पुनर्विकास (Redevelopment) और एसआरए (SRA) जैसे मुद्दों पर कोई समझौता नहीं होगा।

शिंदे का संदेश स्पष्ट था: अब भावनात्मक मुद्दे हार गए हैं और विकास जीत गया है, और हर नगरसेवक को जनता के जीवन में बदलाव लाने के लिए अपनी पूरी जिम्मेदारी निभानी होगी।

# विवादों के बाद ए.आर. रहमान ने दी सफाई, बोले- मेरे शब्दों को गलत समझा गया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दिग्गज संगीतकार और ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान ने बॉलीवुड में कथित 'सांप्रदायिक भेदभाव' को लेकर दिए गए अपने बयान पर मचे विवाद के बाद अब अपनी चुप्पी तोड़ते हुए स्थिति साफ की है। सोशल मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री में जारी तीखी बहस के बीच रहमान ने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया और उनका उद्देश्य कभी भी किसी की भावनाओं को आहत करना या नफरत फैलाना नहीं था। हाल के दिनों में रहमान उस टिप्पणी को लेकर चर्चा में रहे, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछले 7-8 वर्षों में

उन्हें बॉलीवुड से काम के प्रस्ताव कम मिले हैं और इसके पीछे कुछ सांप्रदायिक कारण हो सकते हैं। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई और जावेद अख्तर समेत कई नामचीन हस्तियों ने इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं।

### इंस्टाग्राम वीडियो में रखी बात

बढ़ते विवाद के बीच ए.आर. रहमान ने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'मेरा मकसद कभी किसी को दर्द पहुंचाना या नफरत फैलाना नहीं था। मैं एक संगीतकार हूं और मेरा काम लोगों को जोड़ना है, उन्हें बांटना नहीं। मैंने केवल अपने अनुभव साझा किए थे, लेकिन उन्हें गलत अर्थों में लिया गया।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका पूरा जीवन और करियर एकता, सम्मान और सांस्कृतिक सौहार्द के मूल्यों पर आधारित रहा है। अपने संदेश के अंत में ए.आर. रहमान ने भारत के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वह ऐसे संगीत के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अतीत का सम्मान करे, वर्तमान का उत्सव मनाए और भविष्य को प्रेरित करे। उन्होंने दोहराया कि उनके लिए संगीत हमेशा देश की एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक रहेगा, न कि किसी तरह के विभाजन या कड़वाहट का।

### काम और उपलब्धियों का दिया हवाला

रहमान ने अपनी हालिया गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनका फोकस हमेशा कला और देश के गौरव को आगे बढ़ाने पर रहा है। उन्होंने वेव समिट में 'जला' की प्रस्तुति, नागालैंड के युवा संगीतकारों के साथ सहयोग और बहुसांस्कृतिक वर्चुअल बैंड 'सीक्रेट माउंटेन' के प्रोजेक्ट का उल्लेख किया। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय संगीतकार हैंस जिमर के साथ फिल्म 'रामायण' के लिए संगीत तैयार करने को उन्होंने गर्व का विषय बताया।

# 'ताज होटल को जेल बना दिया'

## मेयर सस्पेंस पर संजय राउत का शिंदे पर हमला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

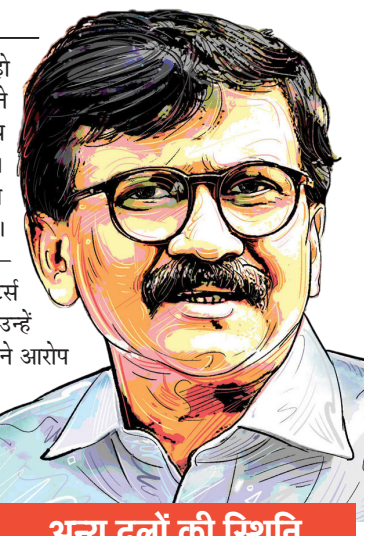

मुंबई में मेयर पद को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा हमला बोला है। राउत ने दावा किया कि बीजेपी–शिंदे गठबंधन से जीते कॉरपोरेटर्स को डराकर ताज होटल में कैद रखा गया है। मीडिया से बातचीत में संजय राउत ने कहा कि बीजेपी–शिवसेना (शिंदे) गठबंधन से जीतकर आए कॉरपोरेटर्स को इस डर से होटल में बंद कर दिया गया है कि कोई उन्हें उठा न ले, धमका न दे या नुकसान न पहुंचा दे। राउत ने आरोप लगाया, "एकनाथ शिंदे ने ताज होटल को जेल बना दिया है। वहां रखे गए 25 से 29 लोगों को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।"

### कॉरपोरेटर्स को किस बात का डर?

ठाणे में राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में सरकार देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे की है। अगर यही सत्ता में हैं तो फिर उनके अपने गठबंधन के कॉरपोरेटर्स किडनैप या जबरन ले जाए जाने से क्यों डर रहे हैं? उन्होंने कहा कि ताज होटल को यरवदा या आर्थर रोड जेल बना दिया गया है, जो सीधे तौर पर कॉरपोरेटर्स के अधिकारों पर हमला है।

### अन्य दलों की स्थिति

| | |
|---|---|
| MNS (UBT के साथ गठबंधन) | 6 सीटें |
| कांग्रेस (VBA के साथ) | 24 सीटें |
| AIMIM | 8 सीटें |
| NCP (अजित पवार) | 3 सीटें |
| समाजवादी पार्टी | 2 सीटें |
| NCP (शरद पवार) | 1 सीट |

### ताज होटल की सुरक्षा बढ़ी

संजय राउत के ताज होटल जाने की घोषणा और आरोपों के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। ताज होटल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पूरे घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखी जा रही है। राउत ने दावा किया कि कई कॉरपोरेटर्स उनके संपर्क में हैं और डर के माहौल में रखे गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मुंबई में बीजेपी का मेयर कौन चाहता है, और तंज कसते हुए कहा कि खुद एकनाथ शिंदे भी नहीं चाहते।

### मेयर पद पर सस्पेंस क्यों?

227 सदस्यीय बीएमसी सदन में बीजेपी को 89, शिंदे गुट की शिवसेना को 29 और शिवसेना (UBT) को 65 सीटें मिली हैं। बीजेपी–शिंदे गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत होने के बावजूद मेयर पद को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। शिंदे गुट ने अपने नवनिर्वाचित कॉरपोरेटर्स को बांद्रा के एक लग्जरी होटल में शिफ्ट किया है। पार्टी नेताओं का दावा है कि कॉरपोरेटर्स को 'रिफ्रेश' और 'ओरिएंटेशन' के लिए कुछ दिनों तक होटल में रखा गया है।

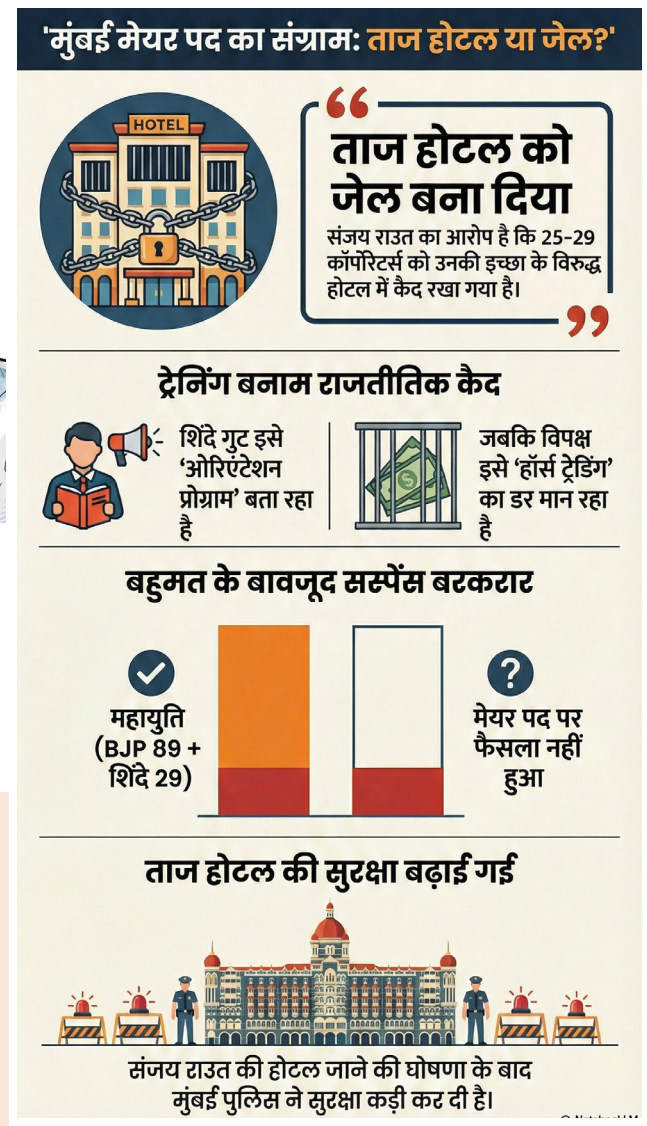


### फडणवीस का तंज

उद्धव ठाकरे के बयान पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा, "देव से उनका मतलब मुझसे है या ऊपर वाले भगवान से?" इसके बाद उन्होंने कहा कि ऊपर वाले ने तय कर दिया है कि मुंबई में महायुति का मेयर होगा। संजय राउत ने दावा किया कि विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या है और वे चाहें तो कभी भी सरकार की कुर्सी हिला सकते हैं, लेकिन वे लोकतंत्र का सम्मान करते हैं।

**'देव चाहें तो मेयर हमारा'**

शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी बयान देकर सियासत गरमा दी। उन्होंने कहा, "अगर देव चाहें तो मुंबई में शिवसेना (UBT) का मेयर बनेगा।" साथ ही आरोप लगाया कि शिंदे गुट बीजेपी से डर रहा है और उन्हें कॉरपोरेटर्स टूटने का डर है।

# वरिष्ठ भाजपा नेता राज के. पुरोहित का निधन

- 71 वर्ष की उम्र में छोड़ी राजनीति का मंच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री राज के. पुरोहित का रविवार सुबह बॉम्बे अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे।

### राजनीतिक करियर और योगदान

पांच बार विधायक रहे पुरोहित 25 से अधिक वर्षों तक दक्षिण मुंबई की राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति थे, जिन्होंने मुंबादेवी और कोलाबा निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने श्रम और संसदीय मामलों के मंत्री के रूप में कार्य किया और मुंबई भाजपा इकाई के अध्यक्षभी रहे, जिससे शहर में पार्टी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राजस्थान के फुगानी सिरोही गांव में जन्मे पुरोहित को मुंबई में राजस्थानी और उत्तर भारतीय प्रवासी समुदायों की अग्रणी आवाज के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता था। 'प्रवासी किरायेदारों के मसीहा' के रूप में जाने जाने वाले, उन्होंने किरायेदार अधिकारों और शहरी आवास सुधारों के लिए संघर्ष किया।

### अंतिम संस्कार और राजकीय सम्मान

दिवंगत नेता की अंतिम यात्रा राष्ट्रीय तिरंगे में लपेटी गई और पूरे राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुई। पार्टी कार्यकर्ताओं, समुदाय के नेताओं और स्थानीय निवासियों की एक बड़ी भीड़ अंतिम सम्मान देने के लिए इकट्ठा हुई। उनके बेटों आकाश और सूरज पुरोहित ने भावुक दृश्यों के बीच चिता को अग्नि दी।

### शोक संवेदनाएं उमड़ पड़ीं

सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन परोपकार के पूर्व संस्थापक अध्यक्ष शंकर केजरीवाल ने राज पुरोहित को न केवल राजस्थानी समुदाय बल्कि सभी लोगों का एक समर्पित कार्यकर्ता बताया और कहा कि उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। आदर्श होटल ग्रुप के जगदीश पुरोहित ने कहा कि राज पुरोहित द्वारा किए गए कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा और वे समाज को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रवासी समुदाय की एक मजबूत आवाज आज खामोश हो गई है। राजस्थान फाउंडेशन के मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष गणपत कोठारी ने कहा कि राज पुरोहित बहुत मेहनती और मिलनसार व्यक्ति थे। राजस्थानी समाज बोरीवली के अध्यक्ष अजयराज पुरोहित ने कहा कि राजस्थानी समुदाय का गौरव आज उन्हें छोड़कर चला गया है और समाज उन्हें हमेशा याद रखेगा। राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष हुकम सिंह खिंचन ने कहा कि राज पुरोहित समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे और सभी को एकजुट रखने के लिए लगातार काम करते थे।

### राजनीतिक,सामाजिक और समुदाय से जुड़े नेता भी पहुंचे

उपस्थित लोगों में महाराष्ट्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चौहान, भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रकाश मेहता शामिल थे। दक्षिण मुंबई के सांसद अरविंद सावंत ने अंतिम संस्कार में भाग लिया, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री एडवोकेट पी. पी. चौधरी ने फोन पर संवेदना व्यक्त की।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी,किरीट सोमैया, साथ ही मौजूदा विधायक संजय उपाध्याय, कैप्टन तमिल सेल्वन, अतुल भाटकर, मनीषा चौधरी, पराग शाह और मिहिर कोटेचा भी उपस्थित थे। पूर्व विधायकों, जिनमें अतुल शाह, बाला नंदगांवकर, सुनील राणे, मोहन रायचुरा, अशोक धतरक और भाई जगताप* शामिल थे, ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। सिटी काउंसलर मकरंद नार्वेकर और पूर्व पार्षद भरत गुर्जर, शांतिलाल जैन, शरदभाई पेटीवाला और जनक संघवी (बीजेपी वार्ड अध्यक्ष), आदर्श होटल्स ग्रुप के घनश्याम और जगदीश, अजयराज, डॉ. मगनलाल, नटवरभाई पोसिंत्रा, हिम्मतसिंह चंचोरी, राजेंद्रसिंह खंडाप, हुकमसिंह खिंचन, विजयसिंह भंवरनी, ईश्वरसिंह पलासिया, खेतसिंह मौड़ी, जोगसिंह ओडवाड़ा, सीए भरत सयाला, रामसिंह धर्मधारी, पप्सा मंडल, हरिसिंह पलासिया और कई सामाजिक नेताओं सहित राजपुरोहित समुदाय के सदस्यों के साथ शामिल हुए, जो राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अनुभवी नेता के व्यापक प्रभाव और सम्मान को दर्शाता है।

# 7.65 रुपए की चोरी का 50 साल पुराना केस बंद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की मझगांव कोर्ट ने महज 7.65 रुपये की चोरी से जुड़े एक मामले को करीब 50 साल बाद बंद करने का फैसला किया है। यह केस वर्ष 1977 से लंबित था, जिसमें दो अज्ञात आरोपी और एक शिकायतकर्ता शामिल थे, जिनका दशकों की कोशिशों के बावजूद कोई सुराग नहीं मिल सका।

यह फैसला ऐसे कई पुराने मामलों में से एक है, जो वर्षों से बिना किसी प्रगति के अदालतों में लंबित थे और न्यायिक प्रणाली पर बोझ बने हुए थे। कोर्ट ने माना कि इतने लंबे समय तक केस को लंबित रखना बेकार है।

### 1977 से चल रहा था केस

मामले में दो अज्ञात व्यक्तियों पर 7.65 रुपये चोरी करने का आरोप था। उस दौर में यह रकम अहम मानी जाती थी। नॉन-बेलेबल वारंट जारी होने के बावजूद आरोपियों का कोई पता नहीं चल सका, जिससे केस वर्षों तक आगे नहीं बढ़ पाया।ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास आरती कुलकर्णी ने 14 जनवरी को आदेश देते हुए कहा कि मामला लगभग 50 साल पुराना है और "बिना किसी प्रगति के बेवजह लंबित" रखा गया है। कोर्ट ने टिप्पणी की, "इतना समय बीत जाने के बाद केस को जिंदा रखने का कोई औचित्य नहीं है।"

### आरोपियों को बरी किया गया

कोर्ट ने IPC की धारा 379 (चोरी) के तहत दर्ज इस केस में दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। साथ ही निर्देश दिया कि चोरी की गई 7.65 रुपये की रकम शिकायतकर्ता को लौटाई जाए। अगर शिकायतकर्ता नहीं मिलता है तो अपील अवधि के बाद यह रकम सरकारी खाते में जमा की जाएगी।

### समरी ट्रायल का हवाला

कोर्ट ने कहा कि चूंकि चोरी की रकम 2,000 रुपये से कम थी, इसलिए यह मामला CrPC की धारा 260 के तहत समरी ट्रायल के योग्य था, जिसका मकसद छोटे अपराधों में त्वरित न्याय देना है।

# मुंबई मेयर के ढाई-ढाई वर्ष कार्यकाल पर चर्चा

## बावनकुले ने गठबंधन पर जताया सकारात्मक रुख

**मुंबई।** राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि मुंबई मेयर पद पर शिंदे सेना और बीजेपी के ढाई-ढाई वर्ष के कार्यकाल को लेकर यदि शिवसेना कोई मांग करती है, तो उसे उचित मंच पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि भाजपा की कोर कमेटी इस मुद्दे पर गंभीर विचार करेगी। बावनकुले ने यह बात नागपुर के नियोजन भवन में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि भाजपा-शिंदे सेना का गठबंधन राज्यभर में कई जगह सफलतापूर्वक चल रहा है, जो सकारात्मक पहल है। साथ ही उन्होंने राकां नेताओं शरद पवार और अजीत पवार की मुलाकात पर टिप्पणी करते हुए उन्हें इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं दी। कांग्रेस नेता नाना पटोले के बैलेट पर चुनाव कराने की पुरानी मांग पर भी उन्होंने कहा कि यह पिछली हार के बाद की मांग थी।

# दावोस में 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र': राज्य में 16 लाख करोड़ निवेश लाने का लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) 2026 में हिस्सा लिया। उनके साथ उद्योग मंत्री उदय सामंत और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी हैं। मुख्यमंत्री ने वैश्विक मंच पर 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' के रूप में राज्य की पहचान मजबूत करने और निवेश आकर्षित करने का संकल्प जताया। फडणवीस ने कहा कि पिछले साल महाराष्ट्र ने 16 लाख करोड़ रुपए के निवेश समझौते किए थे, जिनमें से 72 प्रतिशत एमओयू साकार हो चुके हैं। इस साल का लक्ष्य इससे भी अधिक निवेश लाना है। दावोस में मुख्यमंत्री वैश्विक उद्योग समूहों, निवेशकों और नीति निर्माताओं के साथ चर्चा करेंगे ताकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI), औद्योगिक परियोजनाएं और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा सके। मुख्यमंत्री का कहना है कि दावोस मंच महाराष्ट्र को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने का अवसर है। इसके जरिए राज्य में नई औद्योगिक परियोजनाएं, टेक्नोलॉजी निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। फडणवीस ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य की 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### दावोस दौरे का एजेंडा

मुख्यमंत्री फडणवीस 19 से 23 जनवरी तक 5 दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान महाराष्ट्र में आर्थिक विकास और विश्वस्तरीय निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा। फडणवीस ने दावा किया कि पिछली बार किए गए समझौतों में अधिकतर प्रोजेक्ट लागू हो चुके हैं, जिससे राज्य की आर्थिक संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। इसी बीच, राकांपा विधायक रोहित पवार ने महाराष्ट्र में निवेश की धीमी गति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बैंगलुरु, मंगलुरु और गुजरात जैसे राज्यों में बड़े निवेश हो रहे हैं, जबकि मुंबई और महाराष्ट्र आर्थिक इंजन होने के बावजूद निवेश आकर्षित नहीं कर पा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दावोस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री विश्वस्तरीय कंपनियों से अधिकतम निवेश लाकर राज्य के बेरोजगार युवाओं को राहत देंगे।

# मणिकर्णिका घाट पर बुलडोज़र

**मुंबई।** महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर वाराणसी के पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर द्वारा निर्मित मणिकर्णिका घाट पर बुलडोज़र चलाने का आरोप लगाया है। सपकाल ने इसे सोमनाथ मंदिर को ग़ज़नी के महमूद द्वारा ध्वस्त करने जैसी नृशंस घटना बताते हुए कहा कि भाजपा और मोदी अहिल्यादेवी की स्मृतियों को मिटाने का घोर पाप कर रहे हैं। सपकाल ने तिलक भवन में मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा अहिल्यादेवी की 300वीं जयंती पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन वही सरकार उनके बनाए गए घाट और मूर्तियों को नष्ट कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा और मोदी की इस कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी। ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष यशपाल भिंगे ने कहा कि घाट पर बुलडोज़र चलाने के दौरान अहिल्यादेवी की प्रतिमा का अपमान हुआ, जिससे धनगर समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची। उन्होंने मांग की कि मोदी 27 जनवरी तक सार्वजनिक माफी मांगें, अन्यथा भाजपा के किसी भी मंत्री को महाराष्ट्र में घूमने नहीं दिया जाएगा।

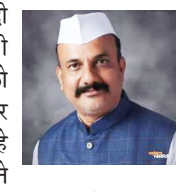

# मेयर बयान पर राणे का तंज

## बोले—हकीकत से दूर हैं उद्धव और राउत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नारायण राणे ने मुंबई के मेयर पद को लेकर दिए जा रहे बयानों पर शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और पार्टी सांसद संजय राउत पर तीखा तंज कसा है। राणे ने कहा कि जरूरी संख्या बल नहीं होने के बावजूद दोनों नेता हकीकत से दूर कल्पनाओं की दुनिया में जी रहे हैं।

### 'भगवान भरोसे मेयर?'

सिंधुदुर्ग में पत्रकारों से बातचीत में राणे ने कहा कि उद्धव ठाकरे अब ईश्वरीय हस्तक्षेप पर भरोसा जताने लगे हैं। उन्होंने सवाल किया, "क्या मेयर आसमान से उतरेगा? सिर्फ आंकड़े देखिए, इतनी बड़ी खाई कैसे पाटी जाएगी?" बीएमसी चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीती हैं, जबकि उसकी सहयोगी शिंदे गुट की शिवसेना को 29 सीटें मिलीं। वहीं शिवसेना (उबाठा) को 65 सीटें और उसकी सहयोगी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को 6 सीटें मिली हैं। इसके बावजूद मेयर पद को लेकर बयानबाजी जारी है।

### राउत के दावों पर भी कटाक्ष

राणे ने संजय राउत के उस बयान पर भी तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा था कि कई राजनीतिक खिलाड़ी, जिनमें एकनाथ शिंदे से जुड़े लोग भी शामिल हैं, मुंबई में भाजपा का मेयर नहीं चाहते। राणे ने इसे बिना आधार की बातें बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री राणे ने कहा कि उद्धव ठाकरे निराशा की स्थिति में हैं और उन्हें हकीकत स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) की मौजूदा हालत के लिए खुद ठाकरे जिम्मेदार हैं और पार्टी अब नाममात्र की रह गई है।

### महायुति की मजबूती का दावा

राणे ने दावा किया कि महाराष्ट्र के 25 नगर निकायों में भाजपा सत्ता में आई है और विपक्ष को अब "समझदारी दिखानी चाहिए"। उन्होंने आगामी सिंधुदुर्ग जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए महायुति का सीट बंटवारा घोषित करते हुए कहा कि गठबंधन को इन चुनावों में 100 प्रतिशत सफलता मिलेगी।

# टीसीएस करेगा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का जतन

**मुंबई।** मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विरासत के संवर्धन व संरक्षण में प्राइवेट सेक्टर को शामिल करने की नीति को बढ़ावा दिया है। मुंबई में राजाबाई टावर, लाइब्रेरी बिल्डिंग, और म्यूजियम के जतन में बड़ी कामयाबी मिली है। राज्य के सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अहम भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रेरणा से पिछले दशक में ऐतिहासिक राजाबाई क्लॉक टावर और मुंबई यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी बिल्डिंग के बचाव व मरम्मत का एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। मुंबई में 156 साल पुराने राजाबाई टावर के बाहरी लाइटिंग सिस्टम को मॉडर्न बनाने और लाइब्रेरी में फर्नीचर मरम्मत और बदलने के काम में सरकारी स्तर पर सहयोग की वजह से तेजी आई है। टीसीएस ने इस परियोजना के लिए 8.90 करोड़ रुपये दिए हैं. यूनेस्को ने 2018 एशिया-पैसिफिक कल्चरल हेरिटेज कंज़र्वेशन अवॉर्ड्स में इस पहल को मान्यता दी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस के मार्गदर्शन में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप की पहल के ज़रिए छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। टीसीएस ने इस प्रोजेक्ट के लिए अलग-अलग चरणों में कुल 24.79 करोड़ रुपये दिए हैं। इस परियोजना ने साल 2022 में यूनेस्को एशिया-पैसिफिक कल्चरल हेरिटेज कंजर्वेशन अवॉर्ड्स में 'अवार्ड ऑफ़ एक्सीलेंस' जीता था।

**मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड**
दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग, मुंबई-400020

**रिक्ति अधिसूचना सं.: एमआरवीसी/ई/पीई/03/2026**
**दिनांक 16.01.2026**

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा **IDA E1 स्केल में "परियोजना अभियंता (सिविल / इलेक्ट्रिकल)"** को **संविदा** के **आधार** पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मेल द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **10.02.2026** है। अधिक जानकारी वेबसाइट **https://mrvc.indianrailways.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।**

संपादकीय

## साम्राज्यवादी सोच के खिलाफ लोकतांत्रिक प्रतिरोध

डेनमार्क और ग्रीनलैंड में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ उभरा आंदोलन केवल किसी एक नेता के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोच के विरुद्ध जन-आक्रोश है जो आधुनिक विश्व को अब भी संपत्ति, प्रभुत्व और सौदेबाजी की नजर से देखती है। ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान ग्रीनलैंड को खरीदने जैसी बयानबाजी ने यूरोप ही नहीं, पूरी दुनिया में यह संदेश दिया कि अमेरिका की सत्ता में बैठा व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय रिश्तों को सम्मान और सहयोग नहीं, बल्कि रियल एस्टेट डील की तरह देखता है।

ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है, जहां के मूल निवासियों की अपनी संस्कृति, पहचान और राजनीतिक आकांक्षाएं हैं। ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड को "खरीदने" का विचार औपनिवेशिक मानसिकता की याद दिलाता है, जिसमें शक्तिशाली राष्ट्र कमजोर या छोटे क्षेत्रों को वस्तु की तरह देखने लगते हैं। इसी के विरोध में डेनमार्क और ग्रीनलैंड में जो आंदोलन खड़े हुए, वे आत्मसम्मान और संप्रभुता की रक्षा के प्रतीक हैं। यह विरोध साफ करता है कि 21वीं सदी में जनता को महज भू-राजनीतिक मोहरे की तरह नहीं देखा जा सकता। ट्रम्प की विदेश नीति का मूल स्वभाव "अमेरिका फर्स्ट" रहा, लेकिन व्यवहार में यह नीति कई बार "अमेरिका अलोन" बन गई। नाटो सहयोगियों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया, यूरोपीय देशों पर लगातार दबाव और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों से मुंह मोडना, इन सबने अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर किया। डेनमार्क जैसे पुराने मित्र देश को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना और कूटनीतिक शिष्टाचार को नजरअंदाज करना, ट्रम्प की उसी आक्रामक शैली का उदाहरण है, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिका को अलग-थलग किया। ग्रीनलैंड में विरोध प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि वहां की जनता अपने भविष्य को लेकर सजग है। वे नहीं चाहते कि उनकी जमीन, उनके प्राकृतिक संसाधन और उनकी रणनीतिक स्थिति किसी महाशक्ति की महत्वाकांक्षा का शिकार बनें। ट्रम्प की नीतियां, विशेषकर जलवायु परिवर्तन पर उनका नकारात्मक रुख, ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्र के लिए और भी खतरनाक हैं, जहां ग्लेशियर पिघलना जीवन-मरण का प्रश्न बन चुका है। ऐसे में ट्रम्प की नीतियों का विरोध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई भी है। यह आंदोलन पश्चिमी लोकतंत्रों में बढ़ती उस चेतना को भी दर्शाता है, जिसमें जनता नेताओं की बयानबाजी और नीतियों को आंख बंद कर स्वीकार नहीं कर रही। ट्रम्प का व्यक्तिवादी, टकरावपूर्ण और व्यापारिक सोच से प्रेरित नेतृत्व अब वैश्विक स्तर पर सवालों के घेरे में है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड का विरोध यही कहता है कि सम्मान, साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय कानून की अनदेखी करने वाली राजनीति को लोकतांत्रिक समाज स्वीकार नहीं करेगा। अंततः, ट्रम्प के खिलाफ यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि उस राजनीति के खिलाफ है जो सहयोग की जगह दबाव, संवाद की जगह धमकी और मानवता की जगह लाभ को प्राथमिकता देती है। यह विरोध एक चेतावनी है कि दुनिया बदल चुकी है, और अब साम्राज्यवादी सोच के लिए यहां कोई जगह नहीं बची।

# अलग तरीके का मुंबई रोको

टाटा मुंबई मैराथन आज एक बार फिर चर्चा के केंद्र में रही। देश-विदेश से लाखों लोग इस आयोजन के लिए मुंबई पहुंचे। आयोजकों ने इसे सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और इसके लिए उन्हें सराहना भी मिली। इतना बड़ा आयोजन करना, वह भी मुंबई जैसे व्यस्त महानगर में, निस्संदेह एक बड़ी चुनौती और उपलब्धि है। इस मैराथन ने शहर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है, इसमें कोई संदेह नहीं।

मैराथन की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से हुई और यह मुंबई के कई प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। आयोजन में हर छोटी-बड़ी व्यवस्था का ध्यान रखा गया—ड्रेस कोड, पानी, मेडिकल सुविधा और धावकों को दी जाने वाली खास चॉकलेट तक। यानी जो लोग इस मैराथन का हिस्सा थे, उनके लिए कोई कमी नहीं छोड़ी गई। लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या यह आयोजन केवल धावकों के लिए ही था, या इस शहर में रहने वाले आम नागरिकों के लिए भी कोई जगह रखी गई थी?

असल में इस पूरे आयोजन के दौरान एक बड़ा वर्ग पूरी तरह नजरअंदाज हो गया—वे लोग जो रोजमर्रा की जिंदगी जीने के लिए हर दिन अपनी-अपनी मैराथन दौड़ते हैं। वे लोग जिन्होंने दो महीने पहले अपनी ट्रेन की टिकट बुक की थी, लेकिन सड़कें बंद होने के कारण समय पर स्टेशन नहीं पहुंच पाए। वे लोग जिन्हें अपनी महज दस मिनट की यात्रा पूरी करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। ऐसे लोगों का क्या? कौन उनके समय, उनकी मजबूरी और उनके नुकसान की जिम्मेदारी लेगा? पिछले दो-तीन दिनों से शहर में लगी लंबी ट्रैफिक कतारों ने एक और गंभीर सवाल खड़ा किया है। गाड़ियां रेंगती रहीं, ईंधन जलता रहा और पर्यावरण पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता गया। क्या इस प्रदूषण की कोई कीमत तय की गई है? क्या ट्रैफिक में फंसे लोगों के समय और धैर्य का कोई मूल्य नहीं है? जब एक आयोजन के लिए पूरा शहर ठहर जाए, तो उसका असर केवल असुविधा तक सीमित नहीं रहता, वह सीधे जीवन की गुणवत्ता पर चोट करता है। सबसे अधिक परेशानी उन दिव्यांग नागरिकों को हुई, जिनके लिए सामान्य दिनों में ही सफर आसान नहीं होता। इस आयोजन के कारण उन्हें अपने प्लेटफॉर्म या गंतव्य तक पहुंचने के लिए कई गुना अधिक संघर्ष करना पड़ा। क्या उनकी पीड़ा का कोई उत्तरदायी है? क्या आयोजन की योजना बनाते समय उनकी जरूरतों को गंभीरता से शामिल किया गया था? या फिर ऐसे नागरिक हमारी योजनाओं में केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह जाते हैं? यह मामला तब और गंभीर हो जाता है जब इसकी तुलना मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हुए मुंबई बंद से की जाती है। उस समय प्रशासन यात्रियों और नागरिकों को सुविधा देने का प्रयास कर रहा था। जरूरी सेवाएं बाधित न हों, मरीज अस्पताल पहुंच सकें, इसका ध्यान रखा गया। लेकिन आज उसी प्रशासन ने इस आयोजन में भागीदार बनकर आम नागरिक की परेशानी को नजरअंदाज कर दिया। क्या किसी एक मैराथन के लिए पूरे मुंबई की रफ्तार रोक देना उचित है? यहां सबसे बड़ा प्रश्न प्रशासन की जवाबदेही का है। सभी मुंबईकरों की जिंदगी को एक दिन के लिए रोकने की अनुमति आखिर किसने दी? उनकी आजीविका, उनकी मजबूरी और उनके नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा? जब सरकार खुद किसी आयोजन में शामिल होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी उसका दायित्व होता है कि आम नागरिक को न्यूनतम परेशानी हो। आपकी एक दिन की खुशी के लिए कोई और यातना क्यों सहे—यह सवाल टाला नहीं जा सकता। हमारी संस्कृति हमें यह सिखाती है कि हमारा आनंद किसी और के कष्ट का कारण नहीं बनना चाहिए। बचपन की उस कहानी की तरह, जहां बच्चों के खेल में तालाब के मेंढक घायल हो जाते थे और अंत में एक मेंढक कहता है—आपके खेल के लिए हमारी जान जाती है। आज आम मुंबईकर वही मेंढक है, जो यह सवाल उठाने की कोशिश कर रहा है। मैराथन कराइए, लेकिन ऐसी जगह और ऐसे तरीके से कि किसी दिव्यांग को दो किलोमीटर पैदल न चलना पड़े, किसी मरीज को अस्पताल पहुंचने में देर न हो और किसी नागरिक की जिंदगी सिर्फ इसलिए न रुके क्योंकि शहर को एक दिन के लिए रोक देना आसान समझ लिया गया। मुंबई को दौड़ाइए, लेकिन उन पैरों पर नहीं, जो पहले से थके हुए हैं।

-चपेटखोर

जीवन मंत्र

**कठिन समय में जब हालात अनुकूल नहीं होते, तब मुस्कान ही वह शक्ति होती है जो उम्मीद को जीवित रखती है। मुस्कान का प्रभाव केवल स्वयं तक सीमित नहीं रहता, यह सामने वाले के मन को भी छू लेती है।**

## समय सबसे बड़ा शिक्षक

समय सबसे बड़ा शिक्षक है यह कथन जितना सरल है, उतना ही गहरा और सत्य से भरा हुआ है। जीवन में कोई भी अनुभव, चाहे वह सुखद हो या कष्टदायक, समय के साथ हमें कुछ न कुछ सिखा ही देता है। मनुष्य अक्सर तात्कालिक परिणामों में उलझकर अनुभवों के वास्तविक अर्थ को नहीं समझ पाता, लेकिन जब समय बीतता है, तब वही घटनाएं हमारे लिए सीख बनकर सामने आती हैं। समय हमें धैर्य सिखाता है। जब हम किसी लक्ष्य को तुरंत प्राप्त नहीं कर पाते, तो निराशा घेर लेती है। उस क्षण हमें लगता है कि हमारा प्रयास व्यर्थ गया। लेकिन समय के साथ हम समझते हैं कि हर असफलता हमें मजबूत बनाती है और अगली सफलता की नींव रखती है। जो व्यक्ति समय के साथ धैर्य रखना सीख लेता है, वही जीवन में आगे बढ़ पाता है। हर अनुभव अपने भीतर एक संदेश छिपाए होता है। सफलता हमें आत्मविश्वास देती है, जबकि असफलता हमें विनम्र बनाती है। कभी-कभी हमें धोखा मिलता है, तो कभी अपनों से ठेस पहुंचती है। उस समय पीड़ा स्वाभाविक होती है, लेकिन समय बीतने पर हम समझते हैं कि इन अनुभवों ने हमें लोगों को पहचानना सिखाया, सही-गलत का फर्क बताया और आत्मनिर्भर बनाया। समय का एक बड़ा गुण यह भी है कि वह भ्रम को दूर करता है। जो बातें आज बहुत बड़ी लगती हैं, वही कुछ समय बाद छोटी प्रतीत होने लगती हैं। इससे हमें जीवन को व्यापक दृष्टि से देखने की समझ मिलती है। समय हमें सिखाता है कि भावनाओं में बहकर लिया गया निर्णय अक्सर गलत होता है, जबकि सोच-समझकर उठाया गया कदम लंबे समय तक सही साबित होता है। जीवन में परिवर्तन अनिवार्य है और यह बात हमें समय ही सिखाता है। परिस्थितियां कभी स्थायी नहीं रहतीं। दुख के बाद सुख आता है और सुख के बाद कभी-कभी संघर्ष। जो व्यक्ति समय के इस चक्र को समझ लेता है, वह न तो अत्यधिक घमंड करता है और न ही अत्यधिक निराश होता है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखना सीख जाता है। समय हमें आत्मचिंतन का अवसर भी देता है। जब हम पीछे मुड़कर अपने जीवन को देखते हैं, तो कई गलतियों पर पछतावा होता है, लेकिन उसी के साथ यह संतोष भी मिलता है

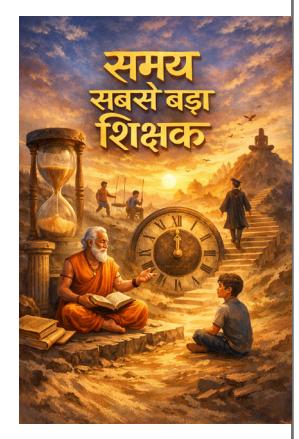


शख्सियत

जेम्स वाट

## संघर्ष, जिज्ञासा और परिवर्तन की प्रेरक कहानी

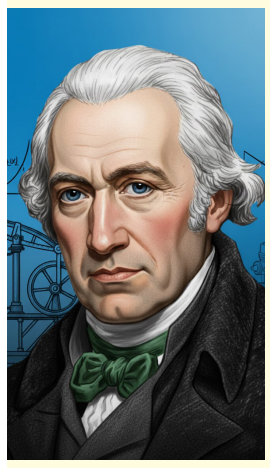

इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका जीवन केवल उपलब्धियों की सूची नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की दिशा बदल देने वाली प्रेरणा बन जाता है। जेम्स वाट उन्हीं महान व्यक्तियों में से एक हैं। भाप इंजन को नई ऊंचाई देने वाले जेम्स वाट ने न केवल औद्योगिक क्रांति को गति दी, बल्कि यह सिद्ध कर दिया कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण सोच से दुनिया बदल सकता है।

जेम्स वाट का जन्म 19 जनवरी 1736 को स्कॉटलैंड के ग्रीनॉक शहर में हुआ था। उनके पिता जहाज निर्माण और व्यापार से जुड़े थे, जबकि माता एक शिक्षित और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। बचपन से ही जेम्स वाट का स्वास्थ्य कमजोर था, जिसके कारण वे नियमित विद्यालय नहीं जा सके। परंतु यही कमजोरी उनके जीवन की ताकत बनी। घर पर रहते हुए उन्होंने गणित, भौतिकी और यांत्रिकी में गहरी रुचि विकसित की। पुस्तकों और प्रयोगों के माध्यम से सीखने की उनकी जिज्ञासा असाधारण थी। युवावस्था में वाट ने यंत्र निर्माण का प्रशिक्षण लिया और बाद में ग्लासगो विश्वविद्यालय से जुड़े। वहीं उन्होंने भाप इंजन के प्रारंभिक मॉडल को देखा, जो अत्यधिक ईंधन खर्च करता था और व्यवहारिक उपयोग में अक्षम था। यहीं से जेम्स वाट के जीवन की दिशा बदल गई। उन्होंने यह महसूस किया कि समस्या भाप इंजन की मूल अवधारणा में नहीं, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली में है। यह वही क्षण था, जब एक साधारण मैकेनिक एक महान आविष्कारक बनने की राह पर चल पड़ा। कठिन आर्थिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद वाट ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार प्रयोग किए और अंततः "सेपरेट कंडेंसर" का आविष्कार किया। इस नवाचार ने भाप इंजन की दक्षता कई गुना बढ़ा दी। यह खोज औद्योगिक इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई। कारखाने, खदानें और परिवहन व्यवस्था अब अधिक शक्तिशाली और सस्ती ऊर्जा से संचालित होने लगे। हालांकि सफलता तुरंत नहीं मिली। पेटेंट विवाद, आर्थिक संकट और साझेदारियों में तनाव ने वाट को कई बार निराश किया। परंतु उन्होंने धैर्य और आत्मविश्वास नहीं खोया। उद्योगपति मैथ्यू बोल्टन के साथ साझेदारी ने उनके जीवन को नई दिशा दी। "बोल्टन एंड वाट" कंपनी ने भाप इंजन को व्यावसायिक रूप से सफल बनाया और औद्योगिक क्रांति को वास्तविक गति प्रदान की। जेम्स वाट का जीवन हमें सिखाता है कि नवाचार केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास और समस्या को गहराई से समझने से जन्म लेता है। उन्होंने कभी खुद को केवल एक कारीगर नहीं माना, बल्कि हर असफलता को सीखने का अवसर बनाया। यही कारण है कि आज भी शक्ति की इकाई "वाट" उनके नाम पर रखी गई है, जो उनके योगदान की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। 1800 के बाद वाट ने सक्रिय व्यवसाय से दूरी बना ली, लेकिन उनकी विरासत जीवित रही। 25 अगस्त 1819 को उनका निधन हुआ, परंतु उनका विचार, उनका साहस और उनकी खोजें आज भी आधुनिक सभ्यता की नींव में शामिल हैं।

जीवन ऊर्जा

**पॉल सेज़ान का जन्म 19 जनवरी 1839 को फ्रांस के ऐक्स-आं-प्रोवांस में हुआ था। वे आधुनिक चित्रकला के सबसे प्रभावशाली कलाकारों में गिने जाते हैं और उन्हें आधुनिक कला का जनक भी कहा जाता है। प्रारंभ में उनके कार्यों को आलोचना और अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने धैर्य और साधना नहीं छोड़ी।**

पॉल सेज़ान : जन्म 19 जनवरी 1839

जन्म

## आधुनिक चित्रकला के जनक

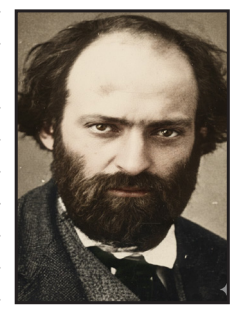

सेज़ान ने प्रकृति को नए दृष्टिकोण से चित्रित किया और रंग, आकार व संरचना पर विशेष ध्यान दिया। उनका प्रभाव आगे चलकर क्यूबिज्म और आधुनिक कला आंदोलनों पर पड़ा। पॉल सेज़ान का निधन 22 अक्टूबर 1906 को फ्रांस में हुआ। कला प्रकृति की नकल नहीं, बल्कि उसकी व्याख्या है। एक चित्र तब बनता है, जब कलाकार धैर्य से देखना सीखता है। प्रकृति को समझना, कला को समझने की पहली शर्त है। मैं वही चित्रित करता हूं, जो मुझे महसूस होता है। रंग ही वह स्थान है, जहां हमारी बुद्धि और संवेदना मिलती है। कला का मार्ग लंबा होता है, पर वही सच्चा होता है। हर कलाकार को अपनी आंख और मन पर विश्वास करना चाहिए। सादगी में ही सच्ची महानता छिपी होती है। एक ही विषय को बार-बार देखना ही गहराई देता है। चित्र बनाना प्रदर्शन नहीं, साधना है। प्रकृति कभी अधूरी नहीं होती, हमारी समझ अधूरी होती है। कला में जल्दबाजी सबसे बड़ा दुश्मन है। हर रंग का अपना वजन और अर्थ होता है। कलाकार का काम देखना सीखना है, बनाना बाद में आता है। जो लोकप्रिय है, वह हमेशा सत्य हो, यह आवश्यक नहीं। आलोचना कलाकार को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाती है। कला में नियम कम और अनुभव अधिक जरूरी है। जो दिखता है, उससे आगे देखना ही कला है। धैर्य के बिना महान चित्र असंभव है। मेरी पेंटिंग मेरा संघर्ष है। हर दिन का अभ्यास कलाकार को नया बनाता है। कला में पूर्णता नहीं, निरंतर प्रयास होता है। प्रकृति और कलाकार के बीच संवाद ही चित्र है। जो सरल दिखता है, वही सबसे कठिन होता है। रंग भावनाओं की भाषा है। कला आत्मा की ईमानदार अभिव्यक्ति है। कलाकार को अकेलापन स्वीकार करना चाहिए। चित्र तब जीवित होता है, जब उसमें सोच हो। समय ही सच्चे कलाकार का न्याय करता है। यदि मेरा काम समझ में देर से आए, तो भी मुझे संतोष है।

अपने विचार

'मेरा मकसद कभी भी किसी को दर्द पहुंचाना या नफरत फैलाना नहीं था। मैं एक संगीतकार हूं और मेरा काम लोगों को जोड़ना है, ना कि बांटना। मैंने सिर्फ वही साझा किया, जो मैंने अनुभव किया है। मेरी फितरत में नफरत नहीं है और मैं हमेशा से ही एकता के पक्षधर रहा हूं'। उन्होंने आगे कहा कि इरादों को कभी-कभी गलत समझा जा सकता है।

-एआर रहमान
भारतीय गायक

आतिशी मारलेना ने सिख गुरुओं के बारे में दिल्ली विधानसभा के अंदर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। संविधान के अनुसार, ऐसा कोई विवाद सामने आने पर केवल विधानसभा के स्पीकर को ही कार्रवाई करने का अधिकार है।

-बांसुरी स्वराज
सांसद, भाजपा

6 जब मैं किसी प्राइवेट सेक्टर यूनिट को इस लेवल पर काम करते देखता हूं, तो मुझे सिर्फ कोई यूनिट या फैसिलिटी नहीं दिखती बल्कि मुझे एक नया संकल्प, एक नया जोश, एक नई एनर्जी और इनोवेशन दिखता है।

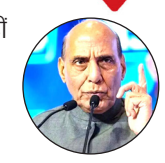

- राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए तीन सेक्टर बेहद अहम होते हैं, औद्योगिक क्षेत्र, कृषि व उससे जुड़े क्षेत्र और सेवा क्षेत्र। इन तीनों के संतुलित विकास से ही किसी क्षेत्र की आर्थिक तरक्की संभव है।

-नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# नर्मदा : हर कंकर में शंकर का वास

भारतवर्ष की पुण्यभूमि पर गंगा, यमुना, सरस्वती और नर्मदा—ये चार नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि जीवंत आस्था, संस्कृति और अध्यात्म की प्रतीक हैं। इन चारों में गंगा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। कहा जाता है कि इस भूमंडल पर गंगा की समता करने वाली कोई दूसरी नदी नहीं है। इसी सत्य को जानने और समझने के लिए नर्मदा की एक अद्भुत, प्रेरक और भावपूर्ण कथा प्राचीन काल से कही जाती रही है। पुराणों के अनुसार, प्राचीन काल में नर्मदा नदी ने अनेक वर्षों तक कठिन तपस्या की। उनका उद्देश्य था ब्रह्माजी को प्रसन्न करना और उनसे वर प्राप्त करना। जब ब्रह्माजी नर्मदा की तपस्या से अत्यंत प्रसन्न हुए, तो उन्होंने वर मांगने को कहा। नर्मदा ने विनम्रता से कहा, ब्रह्माजी यदि आप मुझ पर प्रसन्न हैं, तो मुझे गंगा जी के समान बना दीजिए। यह सुनकर ब्रह्माजी मुस्कराए और बोले, जब कोई दूसरा देवता भगवान शिव की बराबरी कर ले, कोई दूसरा पुरुष भगवान विष्णु के समान हो जाए, कोई दूसरी नारी माता पार्वती के समान हो जाए और कोई दूसरी नगरी काशीपुरी की बराबरी कर सके, तभी कोई दूसरी नदी गंगा के समान हो सकती है। ब्रह्माजी के वचनों में छिपे गूढ़ सत्य को समझकर नर्मदा ने उस वर का त्याग कर दिया। उन्होंने बाहरी समानता की इच्छा छोड़कर आत्मिक मार्ग को चुना। नर्मदा सीधे काशी पहुंचीं और वहां पिलपिला तीर्थ में एक शिवलिंग की स्थापना कर कठोर तप में लीन हो गईं। उनका तप केवल वर प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि भगवान शिव के चरणों में पूर्ण समर्पण का प्रतीक था। नर्मदा की भक्ति, तप और त्याग से भगवान शंकर अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने नर्मदा को दर्शन दिए और वर मांगने को कहा। नर्मदा ने कहा, भगवन तुच्छ वर मांगने से क्या लाभ, बस आपके चरण कमलों में मेरी भक्ति सदा बनी रहे। यह सुनकर भगवान शंकर अत्यधिक प्रसन्न हुए। उन्होंने नर्मदा को अद्वितीय वर प्रदान करते हुए कहा, नर्मदे, तुम्हारे तट पर जितने भी प्रस्तरखंड और पत्थर हैं, वे सभी मेरे वर से शिवलिंग रूप हो जाएंगे। भगवान शिव ने आगे कहा, गंगा में स्नान करने से शीघ्र पाप नष्ट होते हैं, यमुना में सात दिन स्नान से और सरस्वती में तीन दिन स्नान से पापों का नाश होता है, लेकिन नर्मदा तुम दर्शन मात्र से ही समस्त पापों का निवारण करने वाली हो। तुमने जो नर्मदेश्वर शिवलिंग की स्थापना की है, वह पुण्य और मोक्ष प्रदान करने वाला होगा। ऐसा कहकर भगवान शंकर उसी शिवलिंग में लीन हो गए। इतनी पवित्रता, भक्ति और वरदान पाकर नर्मदा भी कृतार्थ और प्रसन्न हो गईं। तभी से यह लोकवाक्य प्रचलित हुआ—नर्मदा का हर कंकर शंकर है। नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवंत शिवभक्ति, त्याग और मोक्ष की धारा हैं, जिनका दर्शन मात्र ही जीवन को पवित्र कर देता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

## ब्रीफ न्यूज़

### वीर जाटव समाज कल्याण शाखा का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

**कल्याण।** वीर जाटव समाज कल्याण कमेटी की शाखा का द्विवार्षिक अधिवेशन आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सबसे पहले महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अधिवेशन में समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी उपस्थित सदस्यों के पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत के साथ की गई। अधिवेशन के दौरान सचिव द्वारा पूर्व कार्यकाल की रिपोर्ट एवं कार्यवृत्त प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके पश्चात पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कमेटी के गठन हेतु चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई। डॉ. अशोक कुमार सिंह को चुनाव अधिकारी एवं श्री आर. पी. सिंह को उप-चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए दो नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से श्री नाहर सिंह द्वारा नाम वापस लिए जाने के पश्चात चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। नवगठित कार्यकारिणी इस प्रकार है अध्यक्ष–विजय सिंह,उपाध्यक्ष–सरवन कुमार,सचिव–सुरेश चन्द सुमन,कोषाध्यक्ष–महेश प्रकाश। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का सभी सदस्यों द्वारा स्वागत करते हुए बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर वीर जाटव समाज, मुंबई के उपाध्यक्ष एच. एल. त्रिवेदी, महासचिव विनेश कुमार गौतम, टीका सिंह , कोषाध्यक्ष, पूर्व महासचिव प्रेम सिंह तथा वीर जाटव समाज कल्याण शाखा के पूर्व कोषाध्यक्ष हरीश वर्मा उपस्थित रहे।

### ठाणे में कुएं में गिरने से युवक की मौत

**ठाणे।** रविवार दोपहर करीब 2 बजे ठाणे के पातलीपाड़ा क्षेत्र में एक युवक कुएं में गिरने की घटना में घायल हो गया, जिसमें उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान शशिकांत नाकोडी (20) के रूप में हुई है। पुलिस कांस्टेबल दीपक ठाकरे ने बताया कि तुरपेपाड़ा स्थित घोड़बंदर रोड के पास युवक कुएं में गिर गया। सूचना मिलते ही ठाणे फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। लगभग 25-30 फीट गहरे कुएं से युवक को निकालकर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ठाणे आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी ने बताया कि युवक उसी इलाके का रहने वाला था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह कुएं में कैसे गिरा या इसमें जानबूझकर शामिल था।

## टाटा मुंबई मैराथन 2026

# मुंबई के साथ दौड़ी पश्चिम रेलवे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

टाटा मुंबई मैराथन 2026 में पश्चिम रेलवे ने पूरे जोश और उद्देश्य के साथ भागीदारी निभाते हुए फिटनेस, अनुशासन और रेल सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों की 150 सदस्यीय टीम ने इस प्रतिष्ठित मैराथन में सहभागिता की।

### महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने किया नेतृत्व

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने स्वयं टीम का नेतृत्व किया। उनके साथ कई वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने भी दौड़ में हिस्सा लिया, जिससे फिटनेस, संरक्षा और जनसंपर्क के प्रति नेतृत्व की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस टीम में स्टेशन मास्टर, टिकट जांच कर्मचारी, ट्रेन मैनेजर, कोचिंग डिपो स्टाफ और ट्रैकमैन जैसे फ्रंटलाइन व परिचालन श्रेणी के कर्मचारी शामिल थे। कर्मचारियों ने आधिकारिक यूनिफॉर्म में दौड़ लगाकर आम नागरिकों को रेल सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार का संदेश दिया।

### रेल सेफ्टी और नागरिक कर्तव्यों पर फोकस

मैराथन के दौरान 'रेल सुरक्षा के लिए दौड़', 'पटरियों का सम्मान करें', 'पटरी से दूर रहें-सुरक्षित रहें' जैसे संदेशों के साथ पश्चिम रेलवे की ओर से सुरक्षा जागरूकता को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही 'मुंबई की लाइफलाइन', 'पश्चिम रेलवे परवाह करता है' और 'मुंबई दौड़ती है क्योंकि हम दौड़ते हैं" जैसे ब्रांड संदेश भी नजर आए। इस आयोजन की खास बात यह रही कि पश्चिम रेलवे के 50 कर्मचारी अपनी आधिकारिक वर्दी में मैराथन में शामिल हुए। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' की भावना के अनुरूप रही, जिसमें शारीरिक फिटनेस को हर पेशे और आयु वर्ग के लिए जरूरी बताया गया है।

### जनसंपर्क और सोशल मीडिया से बढ़ी पहुंच

पश्चिम रेलवे ने इस अवसर का उपयोग बैनर, प्लाकार्ड और हैंड पोस्टर के माध्यम से रेल सुरक्षा और फिटनेस संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए किया। साथ ही सोशल मीडिया प्रचार के जरिए इस अभियान की पहुंच आयोजन स्थल से आगे तक सुनिश्चित की गई। पश्चिम रेलवे ने दोहराया कि एक स्वस्थ और फिट कार्यबल ही सुरक्षित, दक्ष और विश्वसनीय सार्वजनिक सेवा की नींव है। संगठन ने मैराथन में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए रेल सुरक्षा, जन-जागरूकता, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

# रेलवे अस्पताल का एडवांस्ड डेंटल क्लिनिक बना मिसाल

### रेलवे हेल्थकेयर में स्थापित किए नए बेंचमार्क

**सोलापुर।** सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन अंतर्गत डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में स्थापित एडवांस्ड डेंटल क्लिनिक ने कम समय में ही रेलवे हेल्थकेयर सिस्टम में उत्कृष्टता का नया मानक स्थापित कर दिया है। 30 दिसंबर 2024 को उद्घाटन के बाद से यह क्लिनिक उच्च गुणवत्ता वाली, रोगी-केंद्रित डेंटल सेवाओं का भरोसेमंद केंद्र बनकर उभरा है। क्लिनिक में अब तक 4,000 से अधिक OPD मरीजों को परामर्श दिया जा चुका है, जबकि 1,000 से ज्यादा डेंटल प्रोसीजर सफलतापूर्वक किए गए हैं। उल्लेखनीय बात यह है कि किसी भी मरीज को निजी डेंटल क्लिनिक में रेफर नहीं करना पड़ा, जो रेलवे लाभार्थियों के बीच क्लिनिक पर बढ़ते भरोसे और संतुष्टि को दर्शाता है।

### आधुनिक और विशेष डेंटल सेवाएं उपलब्ध

एडवांस्ड डेंटल क्लिनिक में आधुनिक तकनीक से युक्त विशेष उपचार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें डेंटल इम्प्लांटोलॉजी, वन-विजिट रूट कैनाल ट्रीटमेंट और विजडम टूथ सर्जरी जैसी सेवाएं शामिल हैं। इन सुविधाओं के चलते रेलवे लाभार्थियों को उन्नत डेंटल केयर के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

### महाराष्ट्र और कर्नाटक से पहुंच रहे मरीज

क्लिनिक की पहचान सोलापुर तक सीमित नहीं रही है। सेंट्रल रेलवे और साउथ वेस्टर्न रेलवे ज़ोन के अंतर्गत आने वाले महाराष्ट्र के पुणे, लातूर, धाराशिव, पंढरपुर, सांगली, कोल्हापुर और कर्नाटक के कलबुर्गी, हुबली, विजयपुरा, बागलकोट जैसे क्षेत्रों से भी मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। आपात स्थितियों में चेहरे और दांतों की गंभीर चोटों के इलाज में भी क्लिनिक की भूमिका सराहनीय रही है। इसके अलावा कुरुदवाड़ी रेलवे अस्पताल में आयोजित डेंटल कैंप के माध्यम से ओरल हेल्थ जागरूकता और आवश्यक उपचार भी उपलब्ध कराया गया। एडवांस्ड डेंटल क्लिनिक की सफलता में डॉ. ताहेर अत्तार (BDS) की समर्पित सेवाओं की अहम भूमिका रही है।

# भाजपा सांसद मनोज तिवारी के घर में चोरी करने वाला गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

फिल्म अभिनेता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी के मुंबई स्थित घर से 5.40 लाख रुपये चोरी करने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया चोर कुछ साल पहले मनोज तिवारी के घर पर नौकर था, जिसे निकाल दिया गया था।

इस मामले की गहन छानबीन अंबोली पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि मनोज तिवारी के अंधेरी वेस्ट के शास्त्री नगर इलाके में स्थित 'सुंदरबन अपार्टमेंट' में चोरी की शिकायत मनोज तिवारी के मैनेजर प्रमोद जोगेंद्र पांडे ने दर्ज कराई है। शिकायत में जोगेंद्र पांडे ने बताया कि बेडरूम में रखे कुल 5.40 लाख रुपये कैश चोरी हो गए। इसमें से जून 2025 में अलमारी में रखे 4.40 लाख रुपये पहले ही गायब हो चुके थे, लेकिन उस समय चोर का पता नहीं चला था। पुलिस ने शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित सुरेंद्र कुमार दीनानाथ शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित सुरेंद्र कुमार को करीब दो साल पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। सीसीटीवी के फुटेज में 15 जनवरी 2026 को रात करीब 9 बजे पूर्व कर्मचारी सुरेंद्र कुमार शर्मा घर में घुसते हुए और चोरी करते हुए साफ देखा जा सकता है। इसी वजह से आरोपित को गिरफ्तार किया गया है और आरोपित ने चोरी का गुनाह स्वीकार कर लिया है।

# कार पेड़ से टकराई, पांच की मौत

**सोलापुर।** महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में बीती रात एक तेज रफ्तार कार के पेड़ से टकरा गई, जिसमें 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई, उसका इलाज मोहोल ग्रामीण अस्पताल में हो रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही मोहोल पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और सभी मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि पनवेल से 6 लोग कार से अक्कलकोट में देवदर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार पुणे-सोलापुर हाइवे पर मोहोल के पास देवडी पाटी इलाके में रात करीब एक बजे पहुंची तो कार चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस घटना में कार में ही पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई।

रविवार को तडक़े इस घटना की जानकारी मिलने पर मोहोल पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और कार से पांच लोगों के शव निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना में ज्योति जयदास टकले नामक महिला घायल अवस्था में कार में फंसी थीं, उन्हें तत्काल मोहोल के रूरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर है।

# MPDA के तहत हिरासत अवैध घोषित, 13 लोगों की तुरंत रिहाई का आदेश, पुलिस को झटका

**नागपुर।** बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने महाराष्ट्र खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1981 (MPDA) के तहत जारी हिरासत आदेशों को अवैध घोषित करते हुए सुरेश मनवर समेत 13 लोगों को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। खंडपीठ में न्यायमूर्ति अनिल पानसरे और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता की संयुक्त पीठ ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों का हवाला देते हुए यह फैसला सुनाया।

अदालत ने टिप्पणी की कि राज्य सरकार ने हिरासत आदेश जारी करते समय उचित और ठोस कारणों का उल्लेख नहीं किया, और पूरे महाराष्ट्र की परिस्थितियों को एक समान मान लिया, जो संवैधानिक अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने यह भी पाया कि हिरासत आदेश सक्षम प्राधिकारी द्वारा नहीं, बल्कि अनुभाग अधिकारी द्वारा जारी किए गए, जो नियमों के विपरीत है। खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के 'अक्षय भास्कर सहारे बनाम महाराष्ट्र राज्य' फैसले का हवाला देते हुए कहा कि इसी तरह के आधार पर MPDA के तहत हिरासत आदेश पहले भी रद्द किए जा चुके हैं। राज्य सरकार की SLP को सुप्रीम कोर्ट ने 21 नवंबर 2025 को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि याचिकाकर्ताओं की किसी अन्य मामले में आवश्यकता नहीं है, तो सभी 13 व्यक्तियों को तुरंत रिहा किया जाए। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में सुरेश तुकाराम मनवर, राजू भोजू पवार, गजानन अशोक दहाले, मनोज चैत्रम चिमनकर, संकेत दिलीप कानेरे और नम्रता नीलेश नीले शामिल हैं।

अदालत का यह आदेश राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि इससे MPDA के तहत जारी कई अन्य हिरासत आदेशों की वैधता पर भी सवाल उठ सकते हैं।

## 12 राशिफल में देखें अपना दिन

**मेष** यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

**वृष** भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

**मिथुन** मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**कर्क** विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

**सिंह** रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

**कन्या** स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

**तुला** किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। जल्दबाजी से हानि होगी।

**वृश्चिक** चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

**धनु** तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

**मकर** कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**कुंभ** डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

**मीन** स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

# घर से बीमारी दूर करने के पारंपरिक उपाय: लोक-मान्यताओं की प्रस्तुति

प्रियंका जैन
9769994439

भारत में स्वास्थ्य को केवल शारीरिक स्थिति नहीं माना गया, बल्कि इसे मन, वातावरण और आस्था से भी जोड़ा गया है। इसी कारण हमारी परंपराओं में अनेक ऐसे उपाय प्रचलित रहे हैं, जिन्हें लोग बीमारी, नकारात्मकता या मानसिक अशांति से बचाव के लिए अपनाते रहे हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे ये उपाय लोक-विश्वासों पर आधारित हैं। बहुत से परिवार आज भी इन्हें श्रद्धा के साथ करते हैं और मानते हैं कि इनसे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कई स्थानों पर यह परंपरा रही है कि महीने में एक बार मीठी रोटियां बनाकर कुत्तों को खिलाई जाएं। रोटियों की संख्या परिवार के सदस्यों और उस महीने घर आए मेहमानों को ध्यान में रखकर तय की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में चल रही परेशानियों में कमी आती है और स्वास्थ्य संबंधी बाधाएं दूर होती हैं। इसी तरह साल में एक बार अच्छी तरह पका हुआ कद्दू या पेठा किसी धर्मस्थान में दान करने की परंपरा भी प्रचलित है, जिसे स्वास्थ्य और सौभाग्य से जोड़ा जाता है।

कुछ लोक-मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि शमशान के पास से गुजरते समय वहां एक-दो रुपये का सिक्का छोड़ देने से नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और दैवी सहायता प्राप्त होती है। वहीं, बीमार व्यक्ति के सिरहाने रात में एक सिक्का रखकर सुबह किसी जरूरतमंद को दान करने की परंपरा भी कई क्षेत्रों में देखने को मिलती है, जिसे लगातार कई दिनों तक किया जाता है।

गाय, कुत्तों और कौवों को रोटी खिलाने को भी शुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इन जीवों को भोजन कराने से ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और घर-परिवार पर आने वाली बीमारियों से बचाव होता है। कुछ परिवारों में यह विश्वास भी है कि यदि कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमार है और दवाओं से लाभ नहीं मिल रहा, तो विशेष दिनों में गेहूं के आटे से बने पेड़े और जल से जुड़े दान-कर्म करने से उसे मानसिक और शारीरिक शांति मिलने लगती है।

गंभीर बीमारी की स्थिति में भी कुछ विशेष उपाय लोक-परंपरा में बताए जाते हैं, जिन्हें खास दिन और नियमों के साथ करने की बात कही जाती है। इसी तरह पीपल के वृक्ष से जुड़े उपाय, जैसे सुबह जल अर्पित करना और शाम को दीपक जलाना, स्वास्थ्य लाभ और मानसिक सुकून से जोड़े जाते हैं। पीपल को हमारे शास्त्रों में अत्यंत पवित्र माना गया है, इसलिए उससे जुड़े कर्मों को सकारात्मक ऊर्जा से संबंधित माना जाता है।

कुछ मान्यताओं में गोमती चक्र का उपयोग भी बताया गया है। इसे रोगी के पलंग या बच्चे से संबंधित उपायों में प्रयोग करने की परंपरा है। विशेष तिथियों पर पूजा-पाठ, मंत्र जाप और प्रतीकात्मक उपायों को बच्चों के बार-बार बीमार पड़ने से बचाव के लिए किया जाता रहा है। इसी प्रकार ब्लड प्रेशर या मानसिक तनाव जैसी स्थितियों से राहत के लिए भी पेड़-पौधों से जुड़े कुछ पारंपरिक उपाय प्रचलित हैं।

यह ध्यान रखना बहुत आवश्यक है कि ये सभी उपाय लोक-आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं। इनका आधार धार्मिक विश्वास, सांस्कृतिक अनुभव और मानसिक संतुलन से जुड़ा हुआ माना जाता है। इन्हें आधुनिक चिकित्सा का विकल्प नहीं समझना चाहिए। किसी भी बीमारी में डॉक्टर की सलाह, उचित जांच और इलाज सबसे महत्वपूर्ण होता है। आस्था और परंपरा मन को बल देती हैं, लेकिन स्वास्थ्य के मामलों में वैज्ञानिक और चिकित्सकीय मार्गदर्शन अनिवार्य है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### स्वास्थ्य और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनेगा UP: योगी

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी हब बनाने की दिशा में सरकार तेज़ी से कार्य कर रही है। राजधानी लखनऊ में आयोजित हेल्थ कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि बीते लगभग नौ वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। अब सरकार तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर दे रही है, जिससे गांव स्तर पर ही स्क्रीनिंग, टेलीमेडिसिन और डिजिटल परामर्श संभव हो सके। उन्होंने बताया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ वैश्विक बाजार के लिए उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यूपी-आईएमआरएएस सॉफ्टवेयर का भी शुभारंभ किया, जो मेडिकल रिसर्च और क्लिनिकल ट्रायल से जुड़ी प्रक्रियाओं को डिजिटल और पारदर्शी बनाएगा।

### कालिंदी एक्सप्रेस में बम की अफवाह, दो घंटे हुई तलाशी

**फर्रुखाबाद।** भिवानी से प्रयागराज जा रही कालिंदी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना से रविवार को रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, जीआरपी, आरपीएफ और बम निरोधक दस्ते ने ट्रेन को रोककर सभी कोचों की सघन जांच की। करीब दो घंटे तक चले तलाशी अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। जांच पूरी होने के बाद अधिकारियों ने यात्रियों को स्थिति से अवगत कराया और ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बम की सूचना देने वाले यात्री की पहचान नवाबगंज थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर नगला विनायक निवासी श्यामू उर्फ सुमोद कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

### घने कोहरा में एनएच पर टकराए 20 वाहन, 24 घायल

**बरेली।** रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दिल्ली–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फरीदपुर क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हो गया। शुगर मिल के पास दृश्यता बेहद कम होने से एक के बाद एक लगभग 20 वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें 24 लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पहले एक रोडवेज बस और ट्रक की भिड़ंत हुई, जिसके बाद पीछे से आ रहे वाहन भी दुर्घटना की चपेट में आते चले गए। हादसे में कई रोडवेज बसें, ट्रक, डीसीएम और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। कुछ वाहन सड़क किनारे जा पलटे।

सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। अधिकांश को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कुछ का इलाज जारी है। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर करीब आधे घंटे बाद हाईवे पर यातायात बहाल कराया गया।

### नीले बक्से ने किया खौफनाक हत्याकांड का खुलासा

# तीसरी पत्नी की हत्या कर कई टुकड़ों में काटा फिर जलाकर साक्ष्य मिटाया

- एक सप्ताह पूर्व हुई थी वारदात, शव ठिकाने लगाने की थी तैयारी
- सूचना पर पहुंचे उच्चाधिकारी, जांच टीम ने कमरे से जुटाए साक्ष्य

एजेंसी । झांसी

सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में एक नीले रंग के बक्से से टपकते पानी और उठती दुर्गंध ने एक जघन्य हत्या का पर्दाफाश कर दिया। संदिग्ध हालात को देखते हुए लोडिंग वाहन चालक ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बक्सा खुलवाया तो महिला के जले हुए शव के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

#### बक्सा खुलते ही दिखी भयावह सच्चाई

सूचना पर नवाबाद थाना और शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। बक्सा खुलवाने पर उसके भीतर महिला के कुछ अधजले अंग और शेष राख बरामद हुई। प्राथमिक पूछताछ के बाद मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र से जुड़ा पाए जाने पर वहां की पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बक्सा और शव अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

#### लोडिंग चालक की सतर्कता से खुला मामला

ब्रम्हनगर कॉलोनी से देर रात एक व्यक्ति ने नीले बक्से को मिनर्वा चौराहे तक पहुंचाने के लिए लोडिंग वाहन बुक कराया था। चालक के अनुसार, बक्सा वाहन में रखने के बाद संबंधित व्यक्ति कुछ दूर तक पीछे-पीछे चला, लेकिन अचानक रास्ते से गायब हो गया। इससे चालक को संदेह हुआ। मिनर्वा चौराहे पर पहुंचने पर बक्से से दुर्गंध और पानी टपकता देख उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

#### झांसी: नीले बक्से का खौफनाक राज

#### प्रीति के रूप में हुई मृतका की पहचान

लोडिंग चालक की निशानदेही पर पुलिस ब्रम्हनगर कॉलोनी पहुंची, जहां पूछताछ में गीता नामक महिला ने मृतका की पहचान प्रीति के रूप में कराई। बताया गया कि प्रीति रिटायर्ड रेलकर्मी बृजभान के साथ किराए के मकान में रह रही थी। बृजभान की यह तीसरी पत्नी थी, जबकि गीता उसकी दूसरी पत्नी बताई जा रही है।

#### तीन हिरासत में, फोरेंसिक जांच जारी

एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए हैं और किराए के कमरे का निरीक्षण भी किया गया है। प्रथम दृष्टया साक्ष्य हत्या की पुष्टि करते हैं। मृतका के पूर्व पति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फिलहाल तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और पुलिस की तीन टीमें मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हैं।

#### पैसों के विवाद में हत्या का आरोप

पुलिस जांच में सामने आया कि प्रीति कथित रूप से बृजभान पर पैसों के लिए दबाव बना रही थी। इसी विवाद के चलते करीब एक सप्ताह पहले उसकी हत्या कर दी गई। आरोप है कि हत्या के बाद शव को घर के भीतर ही टुकड़ों में काटकर आग से जला दिया गया और अवशेषों को ठिकाने लगाने के लिए नीले बक्से में भरकर बाहर भेजा गया।

# बम की आशंका पर आपात लैंडिंग

- दिल्ली से बागडोगरा जा रही थी उड़ान, सूचना पर की गई डायवर्ट
- शौचालय से मिले टिशू पेपर पर लिखा मिला 'प्लेन में बम है'

एजेंसी । लखनऊ

दिल्ली से पश्चिम बंगाल के बागडोगरा जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में बम होने की सूचना मिलने से रविवार सुबह हड़कंप मच गया। सुरक्षा कारणों से विमान को लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सुबह करीब 8:46 बजे उड़ान संख्या 6ई-6650 में संदिग्ध सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को लखनऊ डायवर्ट किया गया। विमान ने 9:17 बजे सुरक्षित लैंडिंग की। इसके तुरंत बाद यात्रियों को उतारकर विमान को आइसोलेशन बे में खड़ा कराया गया। प्रारंभिक जांच में विमान के शौचालय से एक टिशू पेपर बरामद हुआ, जिस पर हाथ से "प्लेन में बम है" लिखा हुआ पाया गया। इसी सूचना के आधार पर एहतियातन विमान को उतरवाया गया।

सरोजनीनगर थाना प्रभारी ने बताया कि सभी मानक सुरक्षा प्रक्रिया का पालन करते हुए स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में रखा गया। यात्रियों और विमान कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। फिलहाल जांच जारी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

#### जहाज में 230 यात्री थे सवार

उड़ान में कुल 222 यात्री, 8 शिशु, 2 पायलट और 5 क्रू मेंबर सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम, सुरक्षा एजेंसियां और एयरपोर्ट प्रशासन मौके पर पहुंच गया। सभी एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विमान और उसके आसपास के क्षेत्र की गहन जांच की जा रही है। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई।

## 4.52 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

# मौनी अमावस्या: संगम पर उमड़ा श्रद्धा का महासागर

**प्रयागराज।** माघ मेले के तीसरे और प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। रविवार को तड़के भोर से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब संगम तट की ओर उमड़ पड़ा। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, तीसरे पहर शाम चार बजे तक करीब 4.52 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पवित्र स्नान के लिए देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालु पूरे दिन संगम क्षेत्र में मौजूद रहे। साधु-संतों, अखाड़ों, कल्पवासियों और गृहस्थ श्रद्धालुओं ने शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ स्नान किया। हर-हर गंगे और जय गंगा मैया के उद्घोष से संगम तट गूंजता रहा, जिससे पूरा मेला क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया।

# टोल प्लाजा पर आयकर का छापा

**कानपुर।** शिवराजपुर क्षेत्र स्थित नेवादा दरिया टोल प्लाजा पर आयकर विभाग द्वारा की जा रही जांच रविवार को दूसरे दिन भी जारी रही। टोल प्लाजा से जुड़े वित्तीय लेन-देन को लेकर शुरू हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र में दिनभर हलचल बनी रही। आयकर विभाग की टीम तीन वाहनों के साथ मौके पर पहुंची और टोल प्लाजा परिसर को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेकर जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

अधिकारियों ने कार्यालय कक्षों, सर्वर सिस्टम, कैश ट्रांजैक्शन से संबंधित फाइलों और कंप्यूटर डेटा का गहन परीक्षण किया। इसके साथ ही कर्मचारियों से भी पूछताछ कर आवश्यक जानकारियां जुटाई गईं। सूत्रों के अनुसार, नेवादा दरिया टोल प्लाजा का संचालन बीआर गोयल फर्म द्वारा किया जा रहा है।

## व्यापार जगत

# विदेशी मुद्रा भंडार 687 अरब डॉलर

- सोने की हिस्सेदारी बढ़ने से मजबूत हुआ भारत का बाहरी मोर्चा

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार देश के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर मजबूती दर्ज की गई है। 9 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 39 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई, जिससे इसका कुल आकार बढ़कर लगभग 687 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले के सप्ताह में भंडार में गिरावट देखी गई थी, लेकिन इस बार सोने के भंडार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी ने कुल भंडार को सहारा दिया है, हालांकि विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में हल्की कमी दर्ज की गई है।

हालिया बढ़त के साथ भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 में बने अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 704 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) हैं, जिनका स्तर करीब 550 अरब डॉलर है। इस दौरान एफसीए में लगभग 1.12 अरब डॉलर की गिरावट आई, जबकि सोने के भंडार में 1.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

#### एक साल में 56 अरब डालर की वृद्धि

दीर्घकालिक रुझानों पर नजर डालें तो वर्ष 2025 में अब तक विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 56 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि 2024 में यह बढ़ोतरी 20 अरब डॉलर से कुछ अधिक रही थी। 2023 में भंडार में लगभग 58 अरब डॉलर का इजाफा हुआ था, वहीं 2022 में इसमें 71 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट देखी गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, आरबीआई रुपये की स्थिरता बनाए रखने के लिए रणनीतिक रूप से डॉलर की खरीद-फरोख्त करता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण संकेतक बना रहता है।

#### 11 महीनों के लिए पर्याप्त रिजर्व

रिजर्व बैंक पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार देश की आयात जरूरतों को लगभग 11 महीनों तक पूरा करने के लिए पर्याप्त है। दिसंबर में हुई मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद केंद्रीय बैंक ने देश के बाहरी क्षेत्र को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए कहा था कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की स्थिति मजबूत और लचीली बनी हुई है। यह भंडार न केवल आयात भुगतान बल्कि बाहरी झटकों

### SBI ग्राहकों के लिए बड़ी खबर! ऑनलाइन IMPS ट्रांजैक्शन पर अब लगेगा चार्ज

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने अपने कस्टमर ने अपने कस्टमर ट्रांजैक्शन चार्ज में बदलाव किया है। ऐसे में अगर आपका भी एसबीआई बैंक में अकाउंट है, तो यह आपके लिए काम की खबर है। बैंक ने IMPS (Immediate Payment Service) के जरिए किए जाने वाले ऑनलाइन ट्रांजैक्शन पर सर्विस चार्ज लगाने का ऐलान किया है। इससे कई यूजर्स की रोजाना की बैंकिंग पर असर पड़ सकता है। हालांकि, यह चार्ज केवल उन ट्रांजैक्शनों पर लागू होगा, जो 25000 रुपये से अधिक होंगे। छोटे डिजिटल पेमेंट पहले की तरह फ्री रहेंगे। SBI का नया IMPS चार्ज कितना होगा? अब तक SBI अकाउंट से IMPS के जरिए ऑनलाइन पैसे भेजने पर कोई चार्ज नहीं लगता था।

# जनवरी में विदेशी निवेशकों ने निकाले 22530 करोड़

- घरेलू संस्थानों ने संभाला बाजार का मोर्चा

एजेंसी । नई दिल्ली

जनवरी महीने में भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दबाव लगातार बना हुआ है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस माह अब तक करीब 22,530 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह रुझान पिछले वर्ष 2025 में भी देखने को मिला था, जब एफपीआई ने पूरे साल में शेयर बाजार से लगभग 1.66 लाख करोड़ रुपये निकाल लिए थे। हालांकि, विदेशी निवेशकों की आक्रामक बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने बाजार को सहारा देने की भूमिका निभाई है।

#### एफपीआई की बिकवाली प्रमुख कारण

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, डॉलर की मजबूती और वैश्विक व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण विदेशी निवेशक जोखिम कम करने की रणनीति अपना रहे हैं। इसके अलावा ऊंचे वैल्यूएशन, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और अमेरिका की संभावित टैरिफ नीतियों को लेकर बनी आशंकाएं भी एफपीआई की बिकवाली का प्रमुख कारण हैं। विदेशी पूंजी के बाहर जाने से रुपये पर भी दबाव बढ़ा है और 2025 से अब तक डॉलर के मुकाबले रुपये में करीब पांच प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई है।

# ईरान संकट में फंसा बासमती चावल का कारोबार

- पहले भेजे गए चावल का भुगतान भी लटका, निर्यातक परेशान

एजेंसी । नई दिल्ली

ईरान में जारी राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता का सीधा असर भारत के व्यापारिक हितों पर पड़ता नजर आ रहा है। एक ओर संकट के चलते वहां फंसे भारतीय नागरिकों को जल्दबाजी में स्वदेश लाना पड़ा, वहीं दूसरी ओर ईरान को होने वाले बासमती चावल के निर्यात पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है। मौजूदा हालात में न तो नए निर्यात ऑर्डर मिल रहे हैं और न ही पहले भेजे गए चावल के कंसाइनमेंट का भुगतान हो पा रहा है, जिससे भारतीय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के बीच भारत ने ईरान को लगभग 5.98 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया था।

#### अमेरिका से भी बड़ा खरीदार है ईरान

नए ऑर्डर रुकने से निर्यातकों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि ईरान भारत के लिए बासमती चावल का एक प्रमुख बाजार रहा है। वास्तव में, बासमती के मामले में ईरान भारत का अमेरिका से भी बड़ा खरीदार है। वहीं, ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की नीति ने हालात को और जटिल बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितता का असर अब घरेलू थोक बाजारों पर भी दिखने लगा है, जहां बासमती चावल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

# सराफा बाजार में लौटी रौनक, सोने में तेजी

#### पीली धातु ने बनाया आल टाइम हाई का रिकार्ड

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल बन गया है। सोने के दामों ने शुक्रवार को नया शिखर छूते हुए ऑल टाइम हाई का स्तर हासिल कर लिया। कारोबार के दौरान सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 360 से 390 रुपये तक की मजबूती दर्ज की गई। वहीं, एक दिन की नरमी के बाद चांदी ने भी पलटवार किया और दिल्ली सर्राफा बाजार में 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेज छलांग के साथ कारोबार किया। कीमतों में आए इस उछाल के चलते देश के प्रमुख बाजारों में 24 कैरेट सोना 1.43 लाख रुपये के ऊपर कारोबार करता नजर आया। अलग-अलग शहरों में इसका भाव 1,43,780 रुपये से 1,43,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच दर्ज किया गया, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये से 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। चांदी भी मजबूती के साथ दिल्ली बाजार में करीब 2.95 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार करती दिखी।

#### सोने के साथ चांदी भी चढ़ी

साप्ताहिक आधार पर देखें तो सर्राफा बाजार में तेजी और अधिक स्पष्ट नजर आती है। बीते सप्ताह के दौरान 24 कैरेट सोना करीब 3,320 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत में लगभग 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी अवधि में चांदी के दामों में भी लगभग 35 हजार रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल देखने को मिला, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर कीमती धातुओं की ओर बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी मजबूती का असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है। वैश्विक स्तर पर सोना 4,603 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 90 डॉलर प्रति औंस के करीब बना हुआ है।

# मुंबई मैराथन में इथियोपियाई धावकों का दबदबा कायम

## ताडु अबाते ने पुरुष और येशी कलायू ने महिला वर्ग का खिताब जीता

**मुंबई।** मुंबई मैराथन में एक बार फिर इथियोपियाई धावकों का वर्चस्व देखने को मिला। पुरुष एलीट वर्ग में ताडु अबाते देमे और महिला एलीट वर्ग में येशी कलायू चेकोले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए। यह 21 संस्करणों में सातवीं बार है जब इथियोपिया ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिताब एक साथ जीते।

### पुरुष एलीट वर्ग में अबाते की शानदार जीत

ताडु अबाते देमे ने पुरुष एलीट रेस में 2 घंटे 9 मिनट 55 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। केन्या के लियोनार्ड किपरोतिच लंगाट (2:10:10) दूसरे और इरिट्रिया के मेरहावी केसेटे वेल्डेमारियम (2:10:22) तीसरे स्थान पर रहे। अबाते ने कहा कि पहाड़ी और चुनौतीपूर्ण हिस्सों के बावजूद हाफवे के बाद लय पकड़कर उन्होंने ऊर्जा बचाने पर ध्यान दिया।

### महिला एलीट वर्ग में इथियोपिया का क्लीन स्वीप

महिला एलीट रेस में येशी कलायू चेकोले ने 2:25:13 के समय के साथ खिताब जीता। उनकी हमवतन किडसान अलेमा गेब्रेमेधिन (2:27:35) दूसरे और गोज्जाम त्सेगाये एनीयू (2:28:27) तीसरे स्थान पर रहीं। रेस के बाद येशी ने कहा कि वह कोर्स रिकॉर्ड तोड़ने के इरादे से आई थीं, लेकिन मौसम की वजह से थोड़ी परेशानी हुई।

### भारतीय पुरुष वर्ग में कार्तिक करकेरा अव्वल

भारतीय पुरुष एलीट वर्ग में कार्तिक करकेरा ने 2:19:55 का समय निकालते हुए पहला स्थान हासिल किया। गत चैंपियन अनिश थापा (2:20:08) दूसरे और प्रदीप चौधरी (2:20:49) तीसरे स्थान पर रहे। यह करकेरा के करियर की दूसरी मैराथन थी, जिसमें उन्होंने नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया।

### भारतीय महिला वर्ग में संजीवनी जाधव की जीत

भारतीय महिला एलीट वर्ग में संजीवनी जाधव ने 2:49:02 के समय के साथ खिताब जीता। निर्मबिन ठाकोर (2:49:13) दूसरे और सोनम (2:49:24) तीसरे स्थान पर रहीं। पदार्पण कर रहीं संजीवनी ने कुल मिलाकर 10वां स्थान हासिल किया।

### मुंबई मैराथन: इथियोपिया का दबदबा और भारतीय चमक

**इथियोपियाई धावकों का दोहरा दबदबा**

पुरुष: ताडु अबाते | महिला: येशी कलायू | शीर्ष स्थान

**भारतीय वर्ग में कार्तिक-संजीवनी अव्वल**

कार्तिक करकेरा: व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय | संजीवनी जाधव: पदार्पण में जीत

**विजेताओं पर इनामों की बारिश**

अंतरराष्ट्रीय विजेता | भारतीय विजेता

**मुंबई कोस्टल रोड का नया अनुभव**

पहली बार बांद्रा-वर्ली सी लिंक और नवनिर्मित कोस्टल रोड रूट

### पुरस्कार राशि और नया रूट रहा आकर्षण

पुरुष और महिला एलीट वर्ग के शीर्ष तीन धावकों को क्रमशः 50,000, 25,000 और 15,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि दी गई। भारतीय वर्ग में शीर्ष तीन धावकों को पांच लाख, चार लाख और तीन लाख रुपये का पुरस्कार मिला। विश्व एथलेटिक्स रोड रेस गोल्ड लेबल प्रतियोगिता मुंबई मैराथन इस बार नए रूट पर आयोजित की गई, जिसमें धावकों को पहली बार मुंबई कोस्टल रोड और बांद्रा-वर्ली सी लिंक से होकर दौड़ने का अनुभव मिला। मैराथन में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, अभिनेता आमिर खान और डिनो मोरिया समेत कई हस्तियां मौजूद रहीं, जिससे आयोजन का उत्साह और बढ़ गया।

अंडर-19 विश्व कप 2026

# श्रीलंका की शानदार जीत

## दिनसारा बोले– टीम के प्रदर्शन से खुश

एजेंसी । नई दिल्ली

श्रीलंका अंडर 19 टीम के कप्तान विमथ दिनसारा ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 में अपनी टीम के पहले मैच में जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम अच्छी है और मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर शनिवार को खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में श्रीलंका ने दिमंथा महाविथाना (115 रन) और वीरन चामुदिता (192 रन) की शानदार पारियों की बदौलत जापान अंडर 19 टीम को 200 रन के विशाल अंतर से हरा दिया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 4 विकेट खोकर 387 रन बनाए। इसके जवाब में जापान की टीम 8 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। अपने पहले मैच में जीत के साथ श्रीलंका ने अंडर 19 विश्व कप 2026 का शानदार आगाज किया है।

आईसीसी के अनुसार कप्तान विमथ दिनसारा ने मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों (दिमंथा-वीरन ) की प्रशंसा करते हुए उनकी शानदार फॉर्म को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। हमारी शुरुआत अच्छी रही।

दिनसारा ने जीत पर कहा कि मुझे बहुत खुशी हुई है, क्योंकि यह टूर्नामेंट का हमारा पहला मैच था। हमारी टीम अच्छी है और मैं अपनी टीम से बहुत खुश हूं। उनकी टीम द्वारा बल्ले से 4 विकेट पर 387 रन का स्कोर बनाने के बाद जापान को मात्र 184/8 पर रोक दिया, जिसमें आठ अलग-अलग गेंदबाजों का उपयोग किया गया। ये अवसर संभवतः टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए फायदेमंद साबित होंगे। दिनसारा ने कहा कि यह तय करना मुश्किल नहीं है कि किसे और कब गेंदबाजी करनी है। मेरी टीम में इतने सारे गेंदबाज हैं और इतने सारे विकल्प होना मेरे लिए खुशी की बात है। श्रीलंका का अगला मैच सोमवार को आयरलैंड से होगा। वहीं जापान मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम से भिड़ेगा

# सबालेंका और ज्वेरेव दूसरे दौर में पहुंचे

**मेलबर्न।** विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका और पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने धीमी शुरुआत के बावजूद ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। वहीं, महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी वीनस विलियम्स ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने के बावजूद पहले दौर में हार गईं। महिला एकल के पहले दौर में एरीना सबालेंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उन्होंने लगातार तीन गेम गंवा दिए। हालांकि इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए तियांतसोआ राकोटोमांगा राजाओनाह को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी।

### लिन चुन यी और आन से यंग बने इंडिया ओपन चैंपियन

**नई दिल्ली।** चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार को यहां 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया।

# बाबर आजम संग 'खटपट' पर स्टीव स्मिथ ने तोड़ी चुप्पी

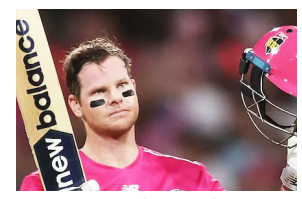


**ब्रिस्बेन।** ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के साथ कथित अनबन की खबरों पर विराम लगा दिया है। बिग बैश लीग (BBL) 2025-26 में सिडनी सिक्सर्स और सिडनी थंडर के बीच हुए मुकाबले के बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच तनाव की चर्चाएं तेज हो गई थीं। यह मामला 16 जनवरी को सिडनी थंडर के खिलाफ मैच के दौरान सामने आया, जब पावर सर्ज के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर स्टीव स्मिथ ने बाबर आजम को सिंगल लेने से मना कर दिया। बाबर असंतुष्ट नजर आए और बाद में उनके आउट होकर पवेलियन लौटते समय निराशा भरे हाव-भाव कैमरों में कैद हो गए।

# बॉलीवुड

## बॉक्स ऑफिस पर नई रिलीज़ ढेर

# रणवीर सिंह की 'धुरंधर' का दबदबा बरकरार

बॉक्स ऑफिस पर इस हफ्ते रिलीज़ हुई फिल्मों से काफी उम्मीदें लगाई जा रही थीं, लेकिन नतीजे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। आमिर खान प्रोडक्शन की 'हैप्पी पटेल' और वरुण शर्मा–पुलकित सम्राट स्टारर 'राहु केतु' दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई हैं। इसके उलट 44 दिन पहले रिलीज़ हुई रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' अब भी शानदार प्रदर्शन कर रही है।

**'हैप्पी पटेल' की धीमी शुरुआत:** वीर दास अभिनीत 'हैप्पी पटेल' ने बॉक्स ऑफिस पर कमजोर ओपनिंग दर्ज की। फिल्म ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि दूसरे दिन भी कमाई में कोई खास सुधार नहीं हुआ और फिल्म ने 1.50 करोड़ रुपये ही जुटाए। दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई 2.75 करोड़ रुपये तक सिमट गई है।

**'राहु केतु' भी दर्शकों को नहीं लुभा पाई :** वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट की 'राहु केतु' भी टिकट खिड़की पर संघर्ष करती नजर आई। शनिवार को फिल्म ने करीब 1.60 करोड़ रुपये की कमाई की। अब तक इसका कुल कलेक्शन लगभग 2.60 करोड़ रुपये ही हो सका है, जो उम्मीद से काफी कम माना जा रहा है।

**'धुरंधर' बनी बॉक्स ऑफिस की असली विजेता:** नई फिल्मों के कमजोर प्रदर्शन के बीच रणवीर सिंह की 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। रिलीज के 44 दिन बाद भी फिल्म ने शनिवार को करीब 3 करोड़ रुपये की कमाई की। अब तक भारत में फिल्म का कुल कलेक्शन 821 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जो इसे साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल करता है।

**'द राजा साब' की रफ्तार भी थमी:** प्रभास की बहुचर्चित फिल्म 'द राजा साब' के लिए हालात चिंताजनक बने हुए हैं। भारी बजट और बड़े प्रचार के बावजूद फिल्म नौवें दिन महज 3 करोड़ रुपये ही कमा सकी। अब तक इसका कुल कलेक्शन 136.75 करोड़ रुपये है। करीब 400 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म के लिए लागत निकालना अब मुश्किल नजर आ रहा है।

# मेरे खिलाफ बड़ी साजिश, परिवार को बनाया जा रहा निशाना : गोविंदा

बॉलीवुड के 'हीरो नंबर 1' गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर अब खुद अभिनेता ने खुलकर बात की है। शादी में दरार और पारिवारिक मतभेद की खबरों के बीच गोविंदा ने दावा किया है कि उनके खिलाफ एक सोची-समझी साजिश रची जा रही है, जिसमें उनके अपने लोग भी अनजाने में इस्तेमाल हो रहे हैं। गोविंदा ने कहा कि उन्होंने अब इसलिए बोलने का फैसला किया क्योंकि उनकी खामोशी को कमजोरी समझा जाने लगा था। अभिनेता के मुताबिक, चुप रहने से लोगों के मन में उनकी एक नकारात्मक छवि बन रही थी। उन्होंने कहा,'जब हम चुप रहते हैं, तो लोग मान लेते हैं कि गलती हमारी ही है। इसलिए अब जवाब देना जरूरी हो गया था।"

अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्हें पहले ही आगाह किया गया था कि उनके परिवार को उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। गोविंदा ने कहा कि कई बार परिवार ही किसी की रची हुई साजिश का शिकार बन जाता है और बात अलगाव तक पहुंच जाती है। उन्होंने इशारों में कहा कि इस पूरे मामले में उनके परिवार के कुछ सदस्य भी जाने-अनजाने मोहरे बन रहे हैं। पत्नी सुनीता आहूजा के साथ रिश्तों पर बोलते हुए गोविंदा ने कहा कि फिल्मों के कम मिलने और करियर में उतार-चढ़ाव की वजह से घर को लेकर चिंता स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि कई फिल्में उन्होंने खुद छोड़ीं और इंडस्ट्री में उन्हें वह बाजार नहीं मिला, जिसके वह हकदार थे। गोविंदा ने कहा,'जब लोकप्रियता एक हद से ज्यादा हो जाती है, तो कई लोग असहज हो जाते हैं।'

# 'भाभीजी घर पर हैं!' के सेट पर बड़ा हादसा

**टीवी** के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'भाभीजी घर पर हैं!' की फिल्म 'भाभीजी घर पर हैं! – फन ऑन द रन' की शूटिंग के दौरान एक बड़ा हादसा सामने आया है। इस दुर्घटना में अभिनेता आसिफ शेख और रवि किशन की जान भी जा सकती थी, लेकिन दोनों चमत्कारिक रूप से बच गए। हाल ही में मुंबई में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान आसिफ शेख ने इस खौफनाक घटना का खुलासा किया। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। आसिफ ने बताया कि यह हादसा शूटिंग की नई लोकेशन पर पहले ही दिन हुआ

था। आसिफ शेख के मुताबिक, वे और रवि किशन सेट पर एक-दूसरे के पास बैठकर कॉफी पी रहे थे। तभी अचानक करीब 12–13 फीट लंबा और लगभग 500 किलो वजनी पेड़ दोनों के बीच आकर गिर पड़ा।

# ब्लैक सूट में बादशाह का जलवा

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान जहां भी कदम रखते हैं, वहां नजरें खुद-ब-खुद उन्हीं पर ठहर जाती हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में आयोजित जॉय अवॉर्ड्स 2026 में भी कुछ ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला, जब ब्लैक सूट में शाहरुख खान ने लैवेंडर कार्पेट पर एंट्री ली। जॉय अवॉर्ड्स के लैवेंडर कार्पेट पर शाहरुख खान का करिश्माई अंदाज हर किसी का ध्यान खींचता नजर आया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शाहरुख आत्मविश्वास के साथ वॉक करते दिखे, वहीं मौजूद दर्शक और फैंस उनकी एक झलक पाने को बेताब नजर आए। ब्लैक आउटफिट में बादशाह का चार्म पूरी शाम छाया रहा।

इस भव्य अवॉर्ड नाइट में शाहरुख खान के साथ हॉलीवुड स्टार कैटी पेरी, 'स्ट्रेंजर थिंग्स' फेम मिली बॉबी ब्राउन, साउथ कोरियन अभिनेता ली-ब्यूंग हुन और हॉलीवुड एक्टर जैरेमी रनर जैसे नामी सितारे भी मौजूद रहे। जॉय अवॉर्ड्स को मिडिल ईस्ट के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोहों में गिना जाता है।कार्यक्रम के दौरान शाहरुख खान ने मशहूर सिरियाई गायिका अस्साला नासरी को 'जॉय ऑनरी अवॉर्ड' प्रदान किया। इस मौके पर शाहरुख ने मंच पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें सम्मान सौंपा, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

# 2027 में बदलेगी गुजरात की सत्ता : केजरीवाल

एजेंसी । अहमदाबाद

आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अहमदाबाद में आयोजित जनसभा में भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि वर्ष 2027 में गुजरात की सत्ता बदलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है और आम आदमी पार्टी परिवर्तन का माध्यम बनेगी।

## 'भ्रष्टाचार और डर के दम पर सरकार चलाई'

उन्होंने कहा कि अगर 30 सालों में बीजेपी ने गुजरात को खुशहाल किया होता तो आज आम आदमी पार्टी की सभा में एक भी आदमी नहीं आता. उन्होंने कहा बीजेपी ने 30 साल तक भ्रष्टाचार और डर के दम पर सरकार चलाई है. पंचायत से लेकर नगरपालिका तक चारों तरफ भ्रष्टाचार है और अगर कोई इसके खिलाफ आवाज उठाए तो उसे जेल में डाल देते हैं.

## 'BJP का विनाशकाल शुरू हो गया है'

केजरीवाल ने हिंदी की कहावत का जिक्र करते हुए कहा, "विनाशकाले विपरीत बुद्धि। जब किसी का विनाश आता है तो सबसे पहले उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है। गुजरात में BJP के साथ भी यही हो रहा है।" उन्होंने कहा कि 30 साल सत्ता में रहने के बाद अब BJP की पकड़ ढीली पड़ने लगी है। AAP संयोजक ने आरोप लगाया कि BJP ने अहमदाबाद के निकोल इलाके में उनकी सभा रोकने की पूरी कोशिश की। उन्होंने कहा कि स्टेज और कुर्सियां तोड़ दी गईं और अनुमति नहीं दी गई, ताकि आम आदमी पार्टी की मीटिंग न हो सके।केजरीवाल ने कहा, 'BJP को लगा था कि सभा नहीं होगी, लेकिन तमाम अड़चनों के बावजूद हजारों लोग यहां पहुंचे हैं।'केजरीवाल ने दावा किया कि हाल ही में AAP नेता गोपाल इटालिया पर जूता फिंकवाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जूता फेंकने वाले व्यक्ति ने वीडियो जारी कर बताया कि उसे BJP के एक नेता ने 50 हजार रुपये और शराब देकर ऐसा करने को कहा था।

## अहमदाबाद में BJP पर बरसे AAP संयोजक

## 'AAP न टूटती है, न बिकती है'

उन्होंने कहा कि BJP उनकी सभाएं रद्द करवा रही है और पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को जेल में डाला जा रहा है। केजरीवाल ने कहा, "हमारे नेता न तो टूटते हैं और न ही बिकते हैं। किसानों के हक में आवाज उठाने की सजा जेल के रूप में दी जा रही है।'केजरीवाल ने आरोप लगाया कि BJP ने तीन दशकों में गुजरात को खोखला कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसान परेशान हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा चुकी है, व्यापारी दुखी हैं और युवाओं को रोजगार के बजाय नशे की ओर धकेला जा रहा है। AAP संयोजक ने कहा कि BJP ने पंचायत से लेकर नगरपालिका तक भ्रष्टाचार फैलाया है। उन्होंने दावा किया कि जो भी इसके खिलाफ आवाज उठाता है, उसे जेल भेज दिया जाता है। केजरीवाल ने जनता से डर निकालने की अपील करते हुए कहा कि जेल का डर दिखाकर लोगों को चुप नहीं कराया जा सकता। उन्होंने दावा किया,'2027 में गुजरात की सत्ता बदलेगी। अब बदलाव तय है।'

## भाजपा की बाधाओं के बीच 'आप' का शक्ति प्रदर्शन

इस दौरान गुजरात प्रभारी गोपाल राय ने कहा कि भाजपा ने डर के कारण पुलिस का दुरुपयोग कर निकोल में होने वाली सभा की अनुमति रद्द करवा दी और रात के अंधेरे में मंच व कुर्सियां तक हटा दीं। इसके बावजूद, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हार नहीं मानी और मात्र दो घंटे के भीतर 50 किमी दूर साणंद में युद्ध स्तर पर नई व्यवस्था कर हजारों की संख्या में एकत्रित होकर अपनी ताकत का एहसास कराया। भाजपा चाहे जितनी भी बाधाएं डाल ले, अरविंद केजरीवाल के सिपाही आंधी और तूफान का सामना करने के लिए तैयार हैं। गोपाल राय ने आगे कहा कि भाजपा ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे नेताओं को जेल में डालकर पार्टी को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन 'आप' नेता झुकने या बिकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अब होली के बाद गांधीनगर कूच के लिए तैयार रहें। गोपाल राय ने अल्टीमेटम दिया कि यदि बजट सत्र में किसानों की आवाज नहीं सुनी गई, तो पार्टी गांधीनगर में बड़ा आंदोलन करेगी।

झारखंड के लातेहार में भीषण सड़क हादसा

# ओरसा घाटी में बस पलटने से 5 की मौत

## 25 से अधिक घायल

एजेंसी । महुआटांड़

झारखंड के लातेहार जिले के महुआटांड़ थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ओरसा घाटी के खतरनाक मोड़ पर यात्रियों से भरी एक बस पलट गई, जिसमें अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त बस में सवार सभी यात्री छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रहने वाले थे। ये लोग एक पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए लातेहार जिले के महुआडांड़ क्षेत्र की ओर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही बस ओरसा घाटी के तीखे और खतरनाक मोड़ पर पहुंची, चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया और बस पलट गई।

## मृतकों में सभी महिलाएं, 80 यात्री थे सवार

सूत्रों के मुताबिक, बस में करीब 80 लोग सवार थे। अब तक पांच महिलाओं के शव बरामद किए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि बस के नीचे अभी कुछ और लोग दबे हो सकते हैं, जिसको लेकर राहत और बचाव कार्य जारी है। हादसे के बाद घायलों को बड़ी संख्या में महुआडांड़ के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां अस्पताल पूरी तरह घायलों से भर गया है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

## पुलिस और प्रशासन मौके पर

महुआटांड़ थाना प्रभारी मनोज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। एंबुलेंस और प्रशासनिक टीमें भी मौके पर भेजी गई हैं। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त वाहन छत्तीसगढ़ के बलरामपुर स्थित ज्ञान गंगा हाई स्कूल की बस है, जिसे निजी रूप से यात्रियों को ले जाने के लिए उपयोग में लाया गया था।

## न्यूज़ ब्रीफ

### शारदा नदी में डूबे दो किशोर, बचाने कूदे युवक की भी गई जान

**पीलीभी।** पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में धनाराघाट पर शारदा नदी में नहाने गए गांव चंदिया हजार निवासी सुमित (14 वर्ष) और सौरभ (15 वर्ष) की नदी में डूबकर मौत हो गई। उन्हें डूबता देख बचाने के लिए नदी में कूदे युवक की भी जान चली गई। तीन मौतों से घाट पर कोहराम मच गया। पुलिस और प्रशासन के अफसरों ने मृतकों के परिजनों को समझाकर शांत कराया। जानकारी के मुताबिक गांव चंदिया हजारा निवासी सुशांत का पुत्र सुमित गांव के ही सौरभ पुत्र निताई के साथ मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार की दोपहर शारदा नदी के धनाराघाट पर गया था। वहां दोनों किशोर नदी में नहाने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों किशोर कुछ समय पहले कराए गए चेनेराइजेशन कार्य के समय खोदे गए गहरे गड्ढे में चले गए।

### सीबीआई के सामने दूसरी बार पेश होंगे विजय, दिल्ली के लिए हुए रवाना

नई दिल्ली. 12 जनवरी को करूर भगदड़ मामले में विजय थलापति से सीबीआई ने पूछताछ की गई थी। उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए 19 जनवरी को बुलाया गया। रविवार को वह दिल्ली रवाना हुए। कल इस मामले में विजय से सीबीआई दोबारा पूछताछ करेगी। साउथ अभिनेता विजय थलापति रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि एक्टर से नेता बने विजय शाम 4.15 बजे एक चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए। 19 जनवरी को यानी कल उनसे करूर भगदड़ मामले को लेकर सीबीआई दोबारा पूछताछ करने वाली है। विजय थलापति से 12 जनवरी को सीबीआई मुख्यालय में करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई थी। अगले दिन उन्हें फिर से आने के लिए कहा गया था। लेकिन एक्टर ने पोंगल त्योहार का हवाला देते हुए दूसरी तारीख मांगी थी। ऐसे में उन्हें 19 जनवरी को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया गया।

### तेजस्वी यादव की 'ताजपोशी' की तैयारी

**पटना।** बिहार की सियासत में अब जल्द ही एक बड़ा Organizational बदलाव होने की संभावना है। नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी के प्रमुख चेहरा तेजस्वी यादव को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की तैयारी चल रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 25 जनवरी को राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक बुलाई गई है, जिसमें पार्टी के बड़े नेता, विधायक और अन्य सदस्य शामिल होंगे। इस बैठक में तेजस्वी यादव को पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने की संभावना है। विदेश दौरे से लौटने के बाद तेजस्वी यादव लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं और संगठन के कामकाज और रणनीति में अहम भूमिका निभाई है। इस बीच, यह कदम पार्टी संगठनात्मक बदलाव के तहत उठाया जा रहा है।

# श्रीलंका टूरिज्म में भारत नंबर-1, 2025 में पहुंचे 5.31 लाख भारतीय

एजेंसी । कोलंबो

साल 2025 श्रीलंका के पर्यटन क्षेत्र के लिए बेहद सफल रहा। श्रीलंका टूरिज्म डेवलपमेंट अथॉरिटी (SLTDA) के अनुसार, पूरे वर्ष में करीब 23 लाख विदेशी पर्यटक श्रीलंका पहुंचे, जिनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी भारतीय पर्यटकों की रही। SLTDA के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में भारत से कुल 5,31,511 पर्यटक श्रीलंका पहुंचे। यह संख्या दूसरे स्थान पर रहने वाले देश से दोगुनी से भी ज्यादा है। लगातार कई वर्षों से भारत श्रीलंका के लिए सबसे बड़ा टूरिस्ट सोर्स बना हुआ है। भारतीय पर्यटकों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 1.14 लाख से ज्यादा का इजाफा हुआ, जो लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। हर महीने औसतन 23 प्रतिशत से ज्यादा पर्यटक भारत से ही आए।

### दिसंबर में सबसे ज्यादा भारतीय

महीनेवार आंकड़ों की बात करें तो दिसंबर सबसे व्यस्त महीना रहा, जब 56,715 भारतीय पर्यटक श्रीलंका पहुंचे। वहीं फरवरी में भारतीय पर्यटकों की संख्या सबसे कम, करीब 35 हजार रही।

### कुल विदेशी पर्यटकों के लिए भी दिसंबर टॉप

दिसंबर में कुल 2,58,928 विदेशी पर्यटक श्रीलंका आए, जो पूरे साल में सबसे ज्यादा है। SLTDA का कहना है कि यह आंकड़े बताते हैं कि श्रीलंका अब भी एक भरोसेमंद और लोकप्रिय पर्यटन स्थल बना हुआ है।

### यूरोप-एशिया से आया 92.7% टूरिज्म

देशवार आंकड़ों में भारत के बाद ब्रिटेन दूसरे नंबर पर रहा। कुल विदेशी पर्यटकों में से 92.7 प्रतिशत यूरोप और एशिया-पैसिफिक क्षेत्र से आए, जिनमें अकेले यूरोप की हिस्सेदारी 51.3 प्रतिशत रही। साल 2026 की शुरुआत भी श्रीलंका टूरिज्म के लिए उत्साहजनक रही। जनवरी के पहले 15 दिनों में 1,31,898 पर्यटक पहुंचे। 15 जनवरी को एक दिन में रिकॉर्ड 10,483 पर्यटक आए।

# कराची के शॉपिंग प्लाजा में भीषण आग, दमकलकर्मी समेत छह की मौत

## हादसे में 30 से ज्यादा लोग झुलसे

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में एमए जिन्ना रोड स्थित गुल शॉपिंग प्लाजा में भीषण आग लग गई। हादसे में एक दमकलकर्मी समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग झुलस गए। झुलसे लोगों में से 11 की हालत नाजुक बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार आग प्लाजा के ग्राउंड और पहली मंजिल पर लगी। शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया कि धुएं में दम घुटने और भगदड़ के कारण पांच लोगों की जान चली गई। सिंध के गृहमंत्री ज़ियाउल हसन लांजर ने कहा कि दमकल विभाग की 14 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं।

दमकलकर्मी और बचाव अभियान

दमकल विभाग के अधिकारियों ने आग की तीव्रता लगातार बढ़ने की चेतावनी दी। आग की लपटों ने कई और दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। कई लोग प्लाजा की छत पर शरण लेने को मजबूर हुए। चीफ फायर ऑफिसर के अनुसार, आग रात लगभग 10:15 बजे लगी, लेकिन जानकारी तड़के मिली। फिलहाल 20 फायर टेंडर और चार स्नोर्केल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं, साथ ही फायर फाइटिंग फोम का भी उपयोग किया जा रहा है।

## व्यापारी और प्रशासन की प्रतिक्रिया

कराची व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर पास्ता ने बताया कि इमारत के अंदर लगभग 80 से 100 लोग फंसे होने की आशंका है। प्लाजा में 1,200 दुकानें हैं और आग से अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। पास्ता ने आरोप लगाया कि न तो मुख्यमंत्री और न ही कराची के मेयर ने व्यापारियों से संपर्क किया। कराची के मेयर बैरिस्टर मुर्तज़ा वहाब ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और आग बुझाने के प्रयास जारी होने की जानकारी दी। एमए जिन्ना रोड को अंकलेसरिया चौक और सेंट्रल प्लाजा के बीच यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। कराची यातायात पुलिस के अनुसार ट्रैफिक को तिब्बत चौक से जुबली की ओर डायवर्ट किया जा रहा है।

# चीन बना रहा दुनिया का पहला हाइब्रिड न्यूक्लियर पावर प्लांट, 2032 तक होगा चालू

एजेंसी । बीजिंग

चीन ने पूर्वी प्रांत जिआंगसू के लियानयुंगांग में दुनिया के पहले हाइब्रिड न्यूक्लियर पावर प्लांट का निर्माण शुरू कर दिया है। यह परियोजना 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026–2030) के तहत की जा रही है और इसे 2032 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। शुवेई न्यूक्लियर पावर प्लांट में हुआलोंग वन प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर और हाई टेम्परेचर गैस कूल्ड रिएक्टर को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे संयंत्र केवल बिजली उत्पादन ही नहीं करेगा, बल्कि हाई-क्वालिटी स्टीम भी उपलब्ध कराएगा। यह परियोजना परमाणु ऊर्जा के बहुआयामी उपयोग की दिशा में एक बड़ी पहल मानी जा रही है। निर्माण दो चरणों में होगा। पहले चरण में दो हुआलोंग वन यूनिट और एक हाई टेम्परेचर गैस कूल्ड रिएक्टर यूनिट बनाई जाएंगी। हुआलोंग वन यूनिट चीन की पूरी तरह स्वदेशी थर्ड जेनेरेशन तकनीक पर आधारित हैं, जबकि हाई टेम्परेचर गैस कूल्ड रिएक्टर फोर्थ जेनेरेशन तकनीक का इस्तेमाल करता है।

### पर्यावरण पर सकारात्मक असर

इस परियोजना के चालू होने पर हर साल 72.6 लाख टन कोयले की खपत कम होगी और 1.96 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी। यह लियानयुंगांग के पेट्रोकेमिकल बेस के लिए लो-कार्बन विकास को बढ़ावा देगा और चीन में परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल को सिर्फ बिजली उत्पादन से आगे बढ़ाएगा। परियोजना का पहला चरण 2032 में चालू होने की संभावना है।

# गणतंत्र दिवस : मेट्रो पर घोषणाएं, क्यूआर कोड से पार्किंग व्यवस्था

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को सुचारु बनाने के लिए इस वर्ष मेट्रो स्टेशनों पर विशेष घोषणाओं और क्यूआर कोड आधारित पार्किंग प्रणाली की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, मेट्रो स्टेशनों पर की जाने वाली घोषणाओं के जरिए परेड देखने आने वाले टिकट और पास धारकों को उनके आवंटित बैठने वाले स्थानों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। दर्शकों को यह बताया जाएगा कि उनका 'एंक्लोज़र' कर्तव्य पथ के उत्तर में है या दक्षिण में। इस साल गणतंत्र दिवस परेड के सभी बैठने वाले एंक्लोज़र नदियों के नाम पर रखे गए हैं। इसी आधार पर यात्रियों को संबंधित मेट्रो स्टेशनों की ओर निर्देशित किया जाएगा। दक्षिणी हिस्से में ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चेनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु और झेलम एंक्लोज़र में बैठने वाले दर्शकों को उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन पर उतरने को कहा गया है।

# CM एमके स्टालिन ने की शास्त्रीय भाषा साहित्य पुरस्कार की घोषणा

एजेंसी । चैन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को एक नए वार्षिक साहित्य पुरस्कार की घोषणा की है। यह पुरस्कार गैर-हिंदी भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्यिक कार्यों को सम्मानित करने के लिए राज्य सरकार के तत्वावधान में दिया जाएगा। स्टालिन ने बताया कि पुरस्कार का नाम 'सेम्मोझी इल्लाकिया विरुधु' रखा गया है, जिसका अर्थ है शास्त्रीय भाषा साहित्य पुरस्कार।

प्रत्येक भाषा के लिए 5 लाख रुपये की नकद राशि दी जाएगी। पहले चरण में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, उड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं की सर्वश्रेष्ठ कृतियों को सम्मानित किया जाएगा।

## केंद्र सरकार पर लगाया आरोप

अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला के समापन समारोह में बोलते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा कथित तौर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के हस्तक्षेप के कारण रद्द कर दी गई। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पुरस्कारों की घोषणा कराने के पक्ष में थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे रोक दिया। सीएम ने बताया कि रचनात्मक क्षेत्रों में राजनीतिक दखल खतरनाक प्रवृत्ति है और केंद्र सरकार क्षेत्रीय राजनीति में सीधे दखल देती है। कई लेखकों और साहित्यिक संस्थाओं ने इस स्थिति के जवाब में ठोस कदम उठाने की मांग की थी, जिसके तहत तमिलनाडु सरकार ने यह नया पुरस्कार शुरू करने का फैसला लिया।

## FIR पर संजय सिंह का पलटवार

# सरकार मुझे डराने की कोशिश न करे

एजेंसी । वाराणसी

आम आदमी पार्टी के सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने अपने खिलाफ दर्ज FIR को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मणिकर्णिका घाट और कई मंदिरों को क्षतिग्रस्त किया गया, लेकिन कार्रवाई उनके खिलाफ की गई। संजय सिंह ने कहा कि मणिकर्णिका घाट, जिसे 18वीं शताब्दी में माता अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था और जिसका जीर्णोद्धार भी कराया गया, उसे बुरी तरह तोड़ा गया है। उन्होंने दावा किया कि मां गंगा मंदिर, शिवालय और अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचाया गया।

### विरोध कई लोगों ने किया

आप सांसद के अनुसार इस कार्रवाई का विरोध काशी के साधु-संतों, अहिल्याबाई होल्कर के परिवार और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी किया, लेकिन FIR सिर्फ उनके खिलाफ दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि सरकार को मंदिर तोड़ने वालों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

### 'मोदी राज में टूट रहे मंदिर'

संजय सिंह ने कहा कि मणिकर्णिका घाट हिंदू धर्म में मोक्ष का प्रतीक है, लेकिन इसे नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह किसी मुगल या महमूद गजनवी के दौर में नहीं, बल्कि मौजूदा शासन में हो रहा है, और वह भी प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि स्थानीय संतों और पुजारियों ने मौके से वीडियो बनाए हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि घाट और मंदिरों को तोड़ा गया। इसके बावजूद दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई।